हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

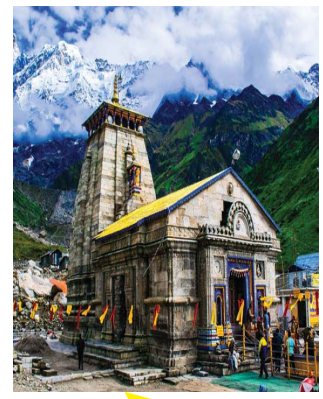

वर्ष:5 अंक:23 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, बुधवार, 28 जनवरी 2026

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी बोले यूसीसी उत्तराखंड के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय

पथ प्रवाह, देहरादून।

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता दिवस के एक वर्ष पूर्ण होने पर समूचे प्रदेश में कार्यक्रम आयोजित किए गए और बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज का दिन राज्य के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज होगा। समान नागरिक संहिता के लागू होने से समाज में सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक मूल्यों की सशक्त स्थापना सुनिश्चित हुई है। देहरादून के हिमालयन कल्चरल सेंटर, गढ़ी कैंट में प्रथम 'समान नागरिक संहिता दिवस' का भव्य आयोजन को बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संबोधित किया और समान नागरिक संहिता के निर्माण में योगदान देने वाली समिति के सदस्यों, इसके कुशल क्रियान्वयन में भूमिका निभाने वाले प्रशासनिक अधिकारियों तथा पंजीकरण प्रक्रिया में सराहनीय कार्य करने वाले वीएलसी को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यूसीसी पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि सनातन संस्कृति सदैव समरसता और समानता की वाहक रही है। गीता के श्लोक का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन सभी प्राणियों के प्रति समान भाव का संदेश देता है। यही भावना समान नागरिक संहिता की आत्मा है, जो समाज को कुप्रथाओं से मुक्त कर समानता की दिशा में आगे बढ़ाती है।

संविधान निर्माताओं के संकल्प को किया साकार

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर सहित संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 44 के माध्यम से समान नागरिक संहिता का मार्ग प्रशस्त किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से पूर्व इसे लागू करने का संकल्प लिया गया, जिसे देवभूमि की जनता ने अपना आशीर्वाद दिया। सत्ता संभालने के बाद सरकार ने पहले दिन से ही इस दिशा में कार्य प्रारंभ किया। 7 फरवरी 2024 को विधेयक विधानसभा से पारित हुआ, 11 मार्च 2024 को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिली और 27 जनवरी 2025 को उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता विधिवत लागू कर दी गई।

महिला सशक्तिकरण की नई इबारत

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि यूसीसी के लागू होने से महिलाओं के अधिकारों को मजबूती मिली है। मुस्लिम महिलाओं को हलाला, इद्दत, बहुविवाह, बाल विवाह और तीन तलाक जैसी कुरीतियों से मुक्ति मिली है। कानून लागू होने के बाद राज्य में हलाला और बहुविवाह का कोई मामला सामने नहीं आया, जो इसकी सफलता का प्रमाण है।

समानता से समरसता की ओर

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने स्पष्ट किया कि समान नागरिक संहिता किसी धर्म के विरुद्ध नहीं, बल्कि समाज में व्याप्त कुप्रथाओं के विरुद्ध है। विवाह, विवाह-विच्छेद, उत्तराधिकार, संपत्ति के अधिकार और बाल अधिकारों को लेकर सभी नागरिकों के लिए समान कानून बनाए गए हैं, जिससे परिवारों में विवाद की संभावनाएं कम होंगी। लिव-इन रिलेशनशिप के पंजीकरण को युवाओं, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों से जोड़ते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे पारदर्शिता आएगी और बच्चों को जैविक संतान के समान अधिकार सुनिश्चित होंगे।

सिर्फ घोषणा नहीं, सशक्त क्रियान्वयन

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उनके लिए व्यक्तिगत गर्व का विषय है कि समान नागरिक संहिता को न केवल घोषित किया गया बल्कि उसे प्रभावी रूप से लागू भी किया गया। पहले जहां प्रतिदिन औसतन 67 विवाह पंजीकरण होते थे, अब यह संख्या 1400 से अधिक हो चुकी है। बीते एक वर्ष में यूसीसी के अंतर्गत लगभग पांच लाख आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 95 प्रतिशत से अधिक का निस्तारण किया जा चुका है। ऑनलाइन पोर्टल और 7,500 से अधिक कॉमन सर्विस सेंटरों के माध्यम से शासन को जनता के द्वार तक पहुंचाया गया है।

धोखाधड़ी और बहुविवाह पर सख्ती

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि हाल ही में यूसीसी में संशोधन को राज्यपाल की स्वीकृति मिली है। अब विवाह में पहचान छिपाने या गलत तथ्य देने पर विवाह निरस्त किया जा सकेगा और धोखाधड़ी, बल या दबाव जैसे मामलों में कठोर दंड का प्रावधान किया गया है। बहुविवाह और अवैध विवाह-विच्छेद के मामलों में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के संकल्प आज सिद्धि बन चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिए गए मजबूत फैसले देश को जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड से निकली समान नागरिक संहिता की यह धारा देश के अन्य राज्यों को भी प्रेरित करेगी। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, धन सिंह रावत, सांसद नरेश बंसल, विधायक खजान दास, सविता कपूर, सुरेश गड़िया, बृज भूषण गैरोला, सचिव गृह शैलेश बगोली, डीजीपी दीपम सेठ, यूसीसी समिति के सदस्य शत्रुघन सिंह, दून विश्वविद्यालय की कुलपति सुरेखा डंगवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय महापर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करे: पीएम मोदी

नई दिल्ली। 77वें गणतंत्र दिवस समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है। कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस समारोह वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। औपचारिक परेड सुबह 10:30 बजे शुरू हुई और करीब 90 मिनट तक चली, जिसका नेतृत्व राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया। इससे पहले शुरुआत पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद राष्ट्रपति मुर्मू ने सलामी ली और परेड शुरू हुई। परेड की कमान दिल्ली क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल भवनीश कुमार ने संभाली।

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गणतंत्र दिवस के मौके पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। सुबह-सुबह किए गए अपने हिंदी और अंग्रेजी पोस्ट में पीएम मोदी ने 'विकसित भारत' के लक्ष्य पर जोर दिया। हिंदी में लिखे संदेश में उन्होंने कहा सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की बहुत-बहुत बधाई। भारत की आन-बान और शान का प्रतीक यह राष्ट्रीय महापर्व आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा और नए उत्साह का संचार करे। विकसित भारत का संकल्प और अधिक सुदृढ़ हो, यही कामना है।

पर्यटन उत्सव भारत पर्व का आयोजन

गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के तौर पर सरकार 26 जनवरी से लाल किले के प्रांगण में छह दिवसीय राष्ट्रीय सांस्कृतिक और पर्यटन उत्सव भारत पर्व का आयोजन करती है। पर्यटन मंत्रालय ने बताया कि इसका उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत करेंगे। भारत पर्व मंत्रालय का प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम है जिसके तहत भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, कलात्मक और आध्यात्मिक विरासत का उत्सव मनाया जाता है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने फहराया तिरंगा, संविधान की उद्देशिका की दिलाई शपथ

पथ प्रवाह, देहरादून।

77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को भारतीय संविधान की उद्देशिका की शपथ भी दिलाई और सभी से संविधान के मूल्यों के प्रति निष्ठा बनाए रखने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश समाज के हर वर्ग के उत्थान की दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण के लिए हम सभी को अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा उत्तराखंड के समग्र विकास के लिए हर क्षेत्र में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पर्यटन, रोजगार और बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता देते हुए राज्य को प्रगति के नए आयामों तक पहुँचाया जा रहा है।

उन्होंने सभी नागरिकों से राष्ट्रीय एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत

करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। समारोह के दौरान राष्ट्रभक्ति का वातावरण बना रहा और गणतंत्र दिवस की गरिमा के अनुरूप कार्यक्रम आयोजित किए।

ज्वालापुर कोतवाली को 'नंबर-01' का गौरव, एसएसपी ने किया सम्मान

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर उत्तराखण्ड की सर्वश्रेष्ठ कोतवाली के रूप में चयनित कोतवाली ज्वालापुर की पुलिस टीम ट्रॉफी लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के कैंप कार्यालय पहुँची। इस दौरान कोतवाली ज्वालापुर के वरिष्ठ उप निरीक्षक खेमेंद्र गंगवार ने समस्त स्टाफ के साथ एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल को विजेता ट्रॉफी शिष्टाचार भेंट की। एसएसपी ने पूरी टीम को कर्तव्यनिष्ठा के लिए बधाई दी।

विदित हो कि कोतवाली ज्वालापुर ने कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, जनसेवा एवं अनुशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन को देखते हुए उन्हें 'नंबर-01 कोतवाली' की ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा को ट्रॉफी प्राप्त होने के उपरांत टीम ने यह उपलब्धि एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल के समक्ष प्रस्तुत की।

टीम से मुलाकात करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने कोतवाली ज्वालापुर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी तथा उनके कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर एसएसपी द्वारा 2500/- नगद ईनाम एवं गुड इंट्री प्रदान किए जाने की घोषणा की गई।

एसएसपी श्री डोबाल ने कहा कि ज्वालापुर कोतवाली का यह प्रदर्शन अन्य थाना क्षेत्रों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को और अधिक बेहतर कार्य करते हुए पुलिस की कार्यशैली को जन-केन्द्रित बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अनुशासन, पारदर्शिता एवं जनता से सकारात्मक संवाद के माध्यम से ही पुलिस की साख को और मजबूत किया जा सकता है। इस सम्मान से ज्वालापुर कोतवाली का मनोबल और अधिक बढ़ा है तथा भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का संकल्प दोहराया गया।

एक नजर

पूर्व विधायक बलबीर सिंह नेगी का हरिद्वार में हुआ अंतिम संस्कार, पुत्र भानु प्रताप ने दी मुख्याग्नि

पथ प्रवाह, हरिद्वार। पूर्व विधायक घनसाली बलवीर सिंह नेगी के निधन पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उनके योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री की ओर से दिवंगत नेता के पार्थिव शरीर पर उप जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार एवं सीओ शिशुपाल सिंह नेगी हरिद्वार ने पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें नमन करते हुए अंतिम विधाई दी। बलवीर सिंह नेगी को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम सलामी दी गई। उनका दाह संस्कार 12 बजे खड़खड़ी शमशान घाट पर किया गया। बलवीर सिंह नेगी के पार्थिव शरीर को उनके पुत्र भानु प्रताप ने मुख्याग्नि दी। बलवीर सिंह नेगी ने वर्ष 1988 टिहरी से, 2002 एवं 2007 तक घनसाली विधानसभा क्षेत्र से विधायक के रूप में क्षेत्र की सेवा की। वह अपने पीछे पत्नी सहित एक पुत्र को छोड़ गए हैं। इस अवसर पर दिवंगत पूर्व विधायक बलवीर सिंह नेगी के अंतिम दर्शन एवं अंतिम यात्रा में विभिन्न जनपदों से जनप्रतिनिधि, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी सहित आम लोग शव यात्रा में शामिल रहे। इस अवसर पर पूर्व शहरी विकास मंत्री उत्तराखंड दिनेश ध्यानी, प्रतापनगर के विधायक विक्रम नेगी, पूर्व विधायक घनसाली भीम लाल आर्य, पूर्व भिलंगना ब्लॉक प्रमुख विजय गुणशोला, वर्तमान प्रमुख राजीव कंडारी, पूर्व प्रमुख भिलंगना ब्लॉक धनीलाल शाह, पूर्व कैबिनेट मंत्री सुबीर सिंह साजवान, विधायक घनसाली शक्ति लाल शाह, साहब सिंह नेगी, तहसीलदार सचिन कुमार सहित भारी संख्या में जन समूह मौजूद रहा।

गणतंत्र दिवस पर मैत्री यूथ क्लब का वस्त्र वितरण अभियान बना प्रेरणा का मिशन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर हरिद्वार के चंडीघाट क्षेत्र में मैत्री यूथ क्लब द्वारा एक प्रेरणादायी वस्त्र वितरण अभियान का आयोजन किया गया। इस सामाजिक पहल का मुख्य उद्देश्य सर्दी के मौसम में ज़रूरतमंद एवं वंचित वर्ग के लोगों को राहत प्रदान करना रहा। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को अपनी आवश्यकता और पसंद के अनुसार वस्त्र चुनने की सुविधा दी गई, जिससे अभियान और अधिक मानवीय व संवेदनशील बन सका। मैत्री यूथ क्लब इस अभियान की तैयारी में पिछले दस दिनों से निरंतर जुटा रहा। युवाओं ने अपने निजी समय में विभिन्न क्षेत्रों से वस्त्र एकत्र किए, उन्हें सावधानीपूर्वक छाँटा तथा उपयोग योग्य कपड़ों को अलग कर वितरण के लिए तैयार किया। इस पूरी प्रक्रिया में क्लब के सदस्यों की निष्ठा, समर्पण और सामाजिक जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में एकत्रित किए गए वस्त्रों का वितरण किया गया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिक सूरज, मीना एवं भोजन माता (प्राथमिक विद्यालय, चंडीघाट) की सक्रिय सहभागिता रही। उन्होंने इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए वितरण कार्य में सहयोग भी प्रदान किया। मैत्री यूथ क्लब के सदस्यों ने बताया कि ऐसे अभियानों के माध्यम से समाज में सेवा, संवेदनशीलता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ करना उनका प्रमुख उद्देश्य है। साथ ही वे युवाओं को संवैधानिक मूल्यों के साथ राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर आयोजित यह वस्त्र वितरण अभियान समाज के प्रति युवाओं की जागरूकता, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भाव का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया। कार्यक्रम में मैत्री यूथ क्लब से गार्गी, स्तुति, रितेश त्रिपाठी, रितेश पांडे, जया, नम्रता, हेमलता, बबीता, सुष्मिता, मानसी, नेहा, महिमा, अरुण, अभिमन्यु एवं प्राची ने सक्रिय भूमिका निभाई।

राजकीय मेडिकल कॉलेज जगजीतपुर में गणतंत्र दिवस की धूम

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

राजकीय मेडिकल कॉलेज हरिद्वार में राष्ट्रीय पर्व 77वें गणतंत्र दिवस गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित ?किया गया। कॉलेज के समस्त संकाय सदस्य, चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ, प्रशासनिक एवं सपोर्टिंग स्टाफ के साथ-साथ एमबीबीएस छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए तिरंगे झंडे को सलामी दी।

कॉलेज प्रांगण में प्रधानाचार्य डॉ सी.एम.एस. रावत ने ध्वज को फहराया

एमबीबीएस छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीतों एवं रचनाओं की भावपूर्ण प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिससे पूरा परिसर राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत-प्रोत हो उठा। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सी.एम.एस. रावत, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कलम सिंह बुटोला, विभागाध्यक्ष ऑर्थोपेडिक्स डॉ. चन्द्रशेखर, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुनील चतुर्वेदी, असिस्टेंट प्रोफेसर (जनरल सर्जरी) डॉ. श्रद्धा मिश्रा तथा सीनियर रेजीडेंट (जनरल सर्जरी) डॉ. (मेजर) गजेन्द्र सोनी ने उपस्थितजनों को संबोधित किया। प्राचार्य डॉ. सी.एम.एस. रावत ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस हमें आत्मचिंतन और संकल्प का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक व्यक्ति ऐसा संकल्प ले, जिससे स्वयं, परिवार, समाज, प्रदेश और देश को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में अपना योगदान दे सके। उन्होंने समय, स्वास्थ्य, शिक्षा और संस्कारों को मजबूत करने पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की प्रोफेशनल परीक्षा सत्र 2024-25 में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले चार विद्यार्थियों– योगेश पाठक, आदित्री कठेत, नितिन द्विवेदी एवं भूमि सरिन–को प्रशस्ति पत्र एवं श्रीमद्भगवद्गीता भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही संस्थान में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए विभिन्न वर्गों के कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। फैकल्टी वर्ग से डॉ. धीरज गुप्ता (विभागाध्यक्ष, कम्युनिटी मेडिसिन), सीनियर रेजीडेंट से डॉ. आशुतोष सिंह (ईएनटी), जूनियर रेजीडेंट से डॉ. वंशिका शर्मा (एनाटॉमी), पैरामेडिकल स्टाफ से मनोहर देव चमोली (चीफ फार्मासिस्ट), प्रशासनिक स्टाफ से अरविन्द सिंह (वैयक्तिक सहायक) एवं आशीष नौटियाल (डाटा एंट्री ऑपरेटर) तथा सपोर्टिंग स्टाफ से सत्तार (सुरक्षाकर्मी) एवं रानी (पर्यावरण मित्र) को प्रशस्ति पत्र एवं श्रीमद्भगवद्गीता प्रदान कर सम्मानित किया गया। गणतंत्र दिवस समारोह के पश्चात संस्थान परिसर स्थित खेल मैदान में खेल भावना को बढ़ावा देने हेतु तीन मैत्री क्रिकेट मैचों का आयोजन किया गया। इनमें फैकल्टी (पुरुष) बनाम स्टूडेंट्स (पुरुष), फैकल्टी (महिला) बनाम स्टूडेंट्स (महिला) तथा फैकल्टी बनाम स्टाफ के बीच 10-10 ओवर के मुकाबले खेले गए। रोमांचक मुकाबलों में क्रमशः स्टूडेंट्स (पुरुष), स्टूडेंट्स (महिला) एवं स्टाफ की टीम ने जीत दर्ज की। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दीपक कुमार (45 रन), शीतल सेमवाल (16 रन एवं 5 विकेट) तथा अरविन्द सिंह (65 रन एवं 2 विकेट) को मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

तिरंगे की आन-बान-शान, भारत माता के जयकारों से गूंजा हरिद्वार, जवानों की कदमताल और राइफल ड्रिल ने जीता दिल

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन रोशनाबाद हरिद्वार स्थित परेड़ ग्राउंड में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार प्रमेंद्र सिंह डोबाल द्वारा पुष्पगुच्छ देकर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यटन, सांस्कृतिक व सिंचाई मंत्री (प्रभारी मंत्री जनपद हरिद्वार) सतपाल महाराज का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने एवं राष्ट्रीय गान के पश्चात परेड़ कमांडर सीओ अभिनव चौधरी द्वारा सलामी दी गई। मुख्य अतिथि द्वारा सम्पूर्ण परेड का निरीक्षण करते हुए जवानों का होसला बढाया गया।

निरीक्षण के पश्चात सेरेमोनियल ड्रेस से सुसज्जित नागरिक पुलिस, सशस्त्र पुलिस, पीएसी, यातायात पुलिस, होमगार्ड्स व पीआरडी के जवानों एंव पुलिस की विभिन्न यूनिटों द्वारा टोलीवार मंच के सामने से गुजरते हुए मुख्य अतिथि को सलामी दी गयी तथा सीपीयू, चेतक, इन्टरसेप्टर, एफएसल, डॉग स्क्वायड, संचार शाखा, क्यूआरटी, फायर सर्विस, जल पुलिस, वज्र वाहन, महिला सशक्तिकरण एवं महिला विकास, अक्षय उर्जा विकास प्राधिकरण, उद्यान विभाग, कृषि विभाग, पर्यटन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग, समाज कल्याण विभाग एवं खेल विभाग हरिद्वार की झांकियों द्वारा इस अवसर पर आमजन को जागरुक करते हुए झाँकियों निकाली गई।

प्रभारी मंत्री 1 लाख की सम्मान राशि से नवाजा

मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री द्वारा परेड को संबोधित करते हुए बेहतरीन मार्च पास्ट करने पर परेड को 1 लाख रुपये की सम्मान राशि से नवाजा गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन एवं जनपद प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज ने सभी को (77) सतत्तरवें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, संविधान निर्माताओं और राज्य आंदोलनकारियों को नमन करने का दिन है। आज ही के दिन संविधान को लागू किया गया था। यह दिन सभी भारतवासियों को स्वतंत्रता, समानता, और भाईचारे के संवैधानिक मूल्यों की याद दिलाता है। भारतीय गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय गौरव, एकता और उत्सव का दिन है। हमारा यह विशिष्ट संविधान हमारे राष्ट्र का निरंतर मार्ग दर्शन करता आ रहा है। यह अवसर हमें अपने सपनों को साकार करने और लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध होने का संकल्प लेने की भी प्रेरणा देता है।

राज्य सरकार कर रही निरंतर कार्य

भारतीय गणतंत्र को मजबूत करने के लिए हमारी सरकार राज्य की प्रगति एवं विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा विकास के हर क्षेत्र में निरन्तर कार्य कर रही है। आज होम स्टे योजना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है और कई टूरिज्म डेस्टिनेशन विकसित किए जा रहे है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये हमने चारधाम के साथ-साथ राज्य में अनेक पर्यटन सर्किटों का निर्माण किया है। जिनमें वैष्णों सर्किट, शैव सर्किट, दैवी सर्किट, विवेकानन्द सर्किट, नरसिंह सर्किट, नवगृह सर्किट, गोल्जू सर्किट, महासू देवता सर्किट, गुरुद्वारा सर्किट, हनुमान सर्किट आदि शामिल है।

गणतंत्र के गौरव से गुंजायमान हुआ डीएवी जगजीतपुर हरिद्वार, भव्य उत्सव

पथ प्रवाह, हरिद्वार

डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, जगजीतपुर के प्रांगण में 77वाँ गणतंत्र दिवस असीम गौरव, अनुशासित उल्लास और अटूट राष्ट्रभक्ति के साथ मनाया गया। 26 जनवरी 2026 की यह पावन सुबह न केवल संविधान के प्रति सम्मान प्रकट करने का अवसर बनी, बल्कि विद्यालय के संकल्पों को नई ऊर्जा देने वाला एक प्रेरणापुंज भी सिद्ध हुई।

तिरंगे की आभा में सराबोर विद्यालय परिसर

समारोह का शुभारंभ प्रातःकाल की उन स्वर्ण किरणों के साथ हुआ, जब पूरा विद्यालय परिसर तिरंगे की छटा, पुष्पों की सुवास और देशभक्ति के गीतों से जीवंत हो उठा। प्रत्येक छात्र के चेहरे पर गौरव की मुस्कान और आँखों में देश के प्रति समर्पण का भाव स्पष्ट झलक रहा था। विद्यालय की साज-सज्जा राष्ट्रप्रेम के प्रति विद्यालय की निष्ठा को बखूबी दर्शा रही थी।

ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान की ओजस्वी गूँज

प्रातः 08:45 बजे विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुमार कपिल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। जैसे ही तिरंगा आसमान की ऊंचाइयों को छूने लगा, सामूहिक राष्ट्रगान की गूँज ने पूरे वातावरण को राष्ट्रप्रेम की ऊर्जा से सराबोर कर दिया। उस क्षण पूरा जनसमूह राष्ट्रभक्ति के मौन और मुखर सम्मान में एकाकार हो गया।

प्रधानाचार्य मनोज कुमार कपिल ने कहा कि गणतंत्र का अर्थ केवल शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध भी है। हमारे संविधान ने हमें समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार दिया है, परंतु साथ ही यह अपेक्षा भी की है कि हम देश के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें। हमें स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए, पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए और आपस में प्रेम और सम्मान बनाए रखना चाहिए। एक अच्छा और जिम्मेदार नागरिक बनना भी देश सेवा का ही एक रूप है। डीएवी परंपरा हमें वैदिक मूल्यों को सिखाते हुए 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' का संदेश देती है। 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन दर्शन है, जो हमें चरित्र निर्माण, राष्ट्रसेवा और मानव कल्याण की प्रेरणा देता है। डीएवी विद्यालयों का उद्देश्य केवल योग्य विद्यार्थी नहीं, बल्कि संस्कारयुक्त, राष्ट्रभक्त और जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है।

इस अवसर पर मैं हमारे शिक्षकगण को उनके निष्ठापूर्ण मार्गदर्शन के लिए तथा विद्यार्थियों को उनकी उपब्धियों के लिए बधाई देता हूँ। अभिभावकों का भी आभार, जिनके सहयोग से विद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

उन्होंने उपस्थित जनों को संकल्प दिलाया कि, हम संविधान के मूल्यों का सम्मान करेंगे, देश की एकता और अखंडता बनाए रखेंगे और एक जिम्मेदार, जागरूक एवं कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनेंगे।

सांस्कृतिक चेतना का मनोहारी संगम

विद्यालय के नन्हे कलाकारों ने अपनी विलक्षण प्रतिभा से समारोह में समां बांध दिया- देशभक्ति के तरानों और कक्षा तृतीय के छात्र की कविता ने श्रोताओं के हृदय को स्पर्श किया। हेड बॉय अभिनव गुसाईं ने अपने ओजस्वी वाणी एवं प्रभावशाली भाषण के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रसेवा की ज्वाला प्रज्वलित की। उन्होनें कहा कि देशभक्ति केवल सीमा पर जाकर लड़ने में ही नहीं अपितु अपने काम को निष्ठा से करना और देश के विकास में अपना संपूर्ण योगदान देना भी देशभक्ति ही है। आज आवश्यकता है प्रत्येक युवा को यह जानने की, कि वह क्या कर सकता है। जिस युवा को अध्यात्म में रुचि हो वह धर्म का प्रचार करे, शास्त्रों से परिपक्व युवा भारतीय संस्कृति को विश्व तक पहुँचाए। रचनाएं ऐसी रची जाएं कि साहित्य का नोबेल भारत को मिले, शिष्टाचार ऐसे अपनाएं कि जापान से पहले भारत का नाम हो। नृत्य-नाटिका 'एक राष्ट्र, अनेक आवाजें' ने अनेकता में एकता के भारतीय दर्शन को मंच पर जीवंत कर दिया।

प्रतिभा का अभिनंदन-डीएवी नेशनल के सितारे

समारोह का मुख्य आकर्षण सम्मान समारोह रहा, जहाँ विद्यालय के उन रत्नों को सम्मानित किया गया जिन्होंने डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स की विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी मेधा का परचम लहराया है।

प्रधानाचार्य महोदय ने उन्हें विद्यालय का ब्रांड एम्बेसडर बताते हुए मेडल और प्रशस्ति-पत्र भेंट किए

डीएवी नेशनल 2025 के अंतर्गत दिनांक 6, 7 एवं 8 जनवरी 2026 को भारत के विभिन्न राज्यों में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में डीएवी हरिद्वार के होनहार खिलाड़ियों ने जिस प्रकार अपनी प्रतिभा, अनुशासन और अदम्य साहस का परिचय दिया, वह न केवल विद्यालय बल्कि सम्पूर्ण डीएवी परिवार के लिए गौरव का विषय बन गया है। खेलों के माध्यम से चरित्र निर्माण, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने वाली इन प्रतियोगिताओं में डीएवी हरिद्वार के विद्यार्थियों ने अनेक स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की।

छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर में आयोजित अंडर-14 आर्चरी प्रतियोगिता में डीएवी हरिद्वार के खिलाड़ियों में यथार्थ किमोठी एवं कबीर वर्मा ने अपनी तीव्र गति, सटीक तकनीक और आत्मविश्वास से भरपूर खेल का प्रदर्शन करते हुए संयुक्त रूप से स्वर्ण एवं रजत पदक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। श्लोक सक्सेना ने रजत पदक जीतकर अपनी सटीक निशानेबाजी का परिचय दिया। इसके अतिरिक्त आर्चरी टीम ने भी सामूहिक तालमेल और उत्कृष्ट समन्वय के बल पर रजत पदक अर्जित किया।

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में आयोजित अंडर-14 राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में भी डीएवी हरिद्वार के खिलाड़ियों ने अपनी सटीकता और मानसिक दृढ़ता का शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में ध्रुव कुमार , भार्गव खाली एवं नचिकेता आर्य ने अत्यंत कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच कांस्य पदक प्राप्त किया। अंडर-19 बास्केटबॉल प्रतियोगिता में डीएवी हरिद्वार की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। इस टीम में सुमित गुप्ता, राघव पाराशर, अनन्या गुप्ता, यथार्थ चैधरी एवं यतीश कुमार त्रिपाठी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने सामूहिक रणनीति, तेज गति और उत्कृष्ट तालमेल के साथ मुकाबले खेले। कठिन मुकाबलों के बावजूद टीम का मनोबल ऊँचा रहा और अंततः कांस्य पदक जीतकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। अंडर-17 बास्केटबॉल टीम का रजत पदक के साथ दमदार प्रदर्शन किया। इस टीम में सक्षम शर्मा, शिवाय वर्मा, अजय नेगी, अक्षत चैधरी, मृत्युंजय, अध्ययन गंभीर, विस्मित सिंह सहित अन्य छात्रों ने अत्यंत जोशीले और संगठित खेल का प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले तक पहुँचते हुए टीम ने अनेक सशक्त विरोधियों को पराजित किया और अंततः रजत पदक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। अंडर 19 हैंडबॉल में कांस्य पदक , अंडर 19 क्रिकेट में रजत पदक अर्जित किया।

नोएडा में आयोजित खेल प्रतियोगिता में बालिकाओं ने भी डीएवी नेशनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए डीएवी हरिद्वार का नाम रोशन करते हुए खेल प्रतियोगिताओं में अंडर 14 बास्केटबॉल में रजत पदक, अंडर 17 शूटिंग में रजत पदक, अंडर 19 शूटिंग में स्वर्ण पदक तथा अंडर 19 शूटिंग में आराध्या चौधरी ने रजत पदक प्राप्त किया। बालक व बालिका वर्ग ने संयुक्त रूप से 6 स्वर्ण पदक, 42 रजत पदक व 26 कांस्य पदक जीते। कुल मिलाकर 72 पदक, एक विजेता ट्रॉफी, 6 उपविजेता ट्रॉफी व 3 तृतीय स्थान की ट्रॉफी अर्जित की।

इन सभी उपलब्धियों के पीछे विद्यालय के प्रधानाचार्य, खेल प्रशिक्षकों, शिक्षकों एवं अभिभावकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रधानाचार्य महोदय ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि 'खेल विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण का सशक्त माध्यम हैं। डीएवी हरिद्वार के छात्रों ने यह सिद्ध कर दिया है कि अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। 'खेल प्रशिक्षकों ने भी विद्यार्थियों की मेहनत, नियमित अभ्यास और आत्मविश्वास की सराहना करते हुए इसे टीमवर्क और निरंतर प्रशिक्षण का परिणाम बताया।कार्यक्रम में एलायंस क्विज़ के विजेता बच्चों को मंच पर एलायंस क्लब के अविनाश ओहरी, अरूण कुमार दादू एवं उनकी टीम द्वारा मेडल, ट्रॉफी एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाने वाले बच्चे अविरल त्यागी, हर्षित यादव (प्रत्येक 5500/-रूपये), निहारिका बिष्ट, देवांश कटियार (प्रत्येक 4000/-रूपये), अथर्व चौहान, रिशान सूरी, आन्या शर्मा, अंशिका सिंह (प्रत्येक 1500/-रूपये) रहे। इस तरह के पुरस्कार न केवल पुरस्कृत बच्चों को अपितु अन्य सभी बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

डीएवी संस्थाएँ सदैव शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी समान महत्व देती आई हैं। डीएवी नेशनल 2025 इसी परंपरा का सजीव उदाहरण है, जहाँ विद्यार्थियों को राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त हुआ। डीएवी हरिद्वार के छात्रों की यह सफलता न केवल वर्तमान उपलब्धि है, बल्कि भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन की नींव भी रखती है।

इसी अवसर पर विद्यार्थियों की बौद्धिक और शोधपरक सृजनात्मकता का प्रतीक पत्रिका कॉमर्स डाइजेस्ट के 16वें संस्करण का गरिमामय विमोचन किया गया। इस वार्षिक पत्रिका में 20 वाणिज्यिक विषयों पर वर्षभर की जानकारी विद्यार्थियों द्वारा संजोयी गई है।

कुशल प्रबंधन एवं समापन

इस भव्य कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित संपादन विद्यालय के कृष्णा हाउस और नर्मदा हाउस के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती रश्मि बलूनी ने उपस्थित सभी अतिथियों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त करते हुए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। मिष्ठान वितरण के साथ इस गरिमामय समारोह का समापन हुआ। डीएवी जगजीतपुर, हरिद्वार का यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक उत्सव नहीं था, बल्कि एक अनुशासित राष्ट्र के निर्माण में शिक्षा और संस्कारों की अटूट भूमिका का सजीव प्रतिबिंब था।

भूमि विवाद ने लिया हिंसक रूपः युवक पर जानलेवा हमला, सरिया-लाठी से पीटा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

लक्सर कोतवाली क्षेत्र के कुड़ी भगवानपुर गांव में भूमि विवाद को लेकर एक युवक पर लाठी-डंडों और सरिया से जानलेवा हमला किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद सरकारी अस्पताल लक्सर से हायर सेंटर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार कुड़ी भगवानपुर निवासी खुर्शीद अहमद का तहसीलदार लक्सर की अदालत में गांव के ही आशिक अली के साथ प्लॉट संबंधी मुकदमा विचाराधीन है। इसी विवाद के चलते 17 जनवरी को लेखपाल एवं कानूनगो द्वारा विवादित भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया गया था। आरोप है कि निरीक्षण के कुछ ही घंटों बाद शाम करीब चार बजे गांव के कुछ लोग हथियारों से लैस होकर मौके पर पहुंचे। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि लतीफ, शहनवाज उर्फ लालू, फिरोज, सदाम, आशिक, इसरार, वकीला, तमन्ना, आदिल और माजिद ने एकजुट होकर युवक शाकिब को चारों ओर से घेर लिया और गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर हमलावरों ने लाठी-डंडों, सरिया और तबल से उस पर हमला बोल दिया। इस दौरान सदाम द्वारा सिर पर किए गए वार से युवक का सिर फट गया और वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा।

खुर्शीद अहमद का कहना है कि हमलावरों में से एक व्यक्ति के हाथ में तमंचा भी था, जिससे गांव में दहशत का माहौल बन गया। ग्रामीणों के मौके पर पहुंचने से युवक की जान बच सकी, अन्यथा कोई बड़ी अनहोनी हो सकती थी। आरोप है कि हमलावर घायल युवक को जबरन उठाकर पास की दुकान तक ले आए, तभी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

डर और अफरा-तफरी के चलते पीड़ित परिवार उसी रात थाने नहीं पहुंच सका। अगले दिन चौकी रायसी पहुंचकर पुलिस को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया गया, जहां से घायल का मेडिकल कराया गया। हालत गंभीर होने पर एक्स-रे के लिए जिला अस्पताल हरिद्वार रेफर किया गया। पीड़ित खुर्शीद अहमद ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं इस संबंध में कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही ?है।

रस्साकशी में राज्यसभा क्षेत्र रुड़की ने मारी बाजी, दूसरे स्थान पर हरिद्वार लोकसभा क्षेत्र

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

खेल कुंभ के दौरान मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी में खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान विजेता टीम के खिलाड़ियों को सीडीओ डॉ ललित नारायण मिश्र ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी प्रमोद चंद्र पाण्डे ने बताया कि खेल महाकुम्भ 2025-26 के अन्तर्गत मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी 2025 (राज्य स्तरीय प्रतियोगिता) का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के दूसरे दिन रस्साकसी अंडर 19 में राज्यसभा क्षेत्र हरिद्वार (रुड़की) प्रथम, लोकसभा क्षेत्र हरिद्वार द्वितीय एवं लोकसभा क्षेत्र टिहरी तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर 14 बालक वर्ग रस्साकसी में राज्यसभा क्षेत्र हरिद्वार (रुड़की) प्रथम, ऊधमसिंहनगर ने द्वितीय व लोकसभा क्षेत्र हरिद्वार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर 19 बालक वर्ग रस्साकसी में लोकसभा क्षेत्र ऊधमसिंहनगर प्रथम, लोकसभा क्षेत्र पौडी ने द्वितीय व देहरादून ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मलखम्ब अण्डर 14 गाँव प्रतियोगिता में प्रथम उधमसिंहनगर नैनीताल, द्वितीय लोकसभा हरिद्वार व उत्तरकाशी तृतीय स्थान प्राप्त

किया। वही अंडर 14 बालक मलखम्ब प्रतियोगिता में प्रथम लोकसभा हरिद्वार, द्वितीय उधमसिंहनगर नैनीताल व लोकसभा टिहरी गढ़वाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोली (कंचा) अण्डर 14 गाँव प्रतियोगिता में लोकसभा हरिद्वार प्रथम, देहरादून द्वितीय व टिहरी गढ़वाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोली (कंचा) अण्डर 14 बालक वर्ग प्रतियोगिता में प्रथम संसदीय क्षेत्र उधमसिंहनगर नैनीताल, द्वितीय देहरादून व पिथौरागढ़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र द्वारा प्रतिभागियों को आर्शीवचन दिया एवं विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में नोडल खेल महाकुम्भ 2025 युवा कल्याण विभाग, मुकेश कुमार भट्ट, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी, बहादराबाद सोनू कुमार, रूड़की अनिल कुमार, भगवानपुर विक्रान्त चौधरी, खानपुर आशीष, प्रशासनिक अधिकारी, युवा कल्याण विभाग, हरिद्वार जितेन्द्र पुण्डीर, खेल विभाग के खेल समन्वयक, शिक्षा विभाग के खेल शिक्षक तथा युवा कल्याण विभाग से अवैतनिक व्यायाम /खेल प्रशिक्षक तथा अन्य विभागीय कार्मिक उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संचालन नोडल मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी, हरिद्वार मुकेश कुमार भट्ट ने किया। जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी ने बताया कि 29 जनवरी 2026 को जनपद स्तरीय पावरलिफ्टिंग कराटे प्रतियोगिता का ट्रायल योग स्थलीय खेल परिसर रोशनाबाद में किया जाएगा।

संपादकीय

समान नागरिक संहिता की एक वर्षगांठः साहसिक निर्णय से ऐतिहासिक परिवर्तन तक

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के लागू होने की प्रथम वर्षगांठ न केवल एक कानून की सफलता का उत्सव है, बल्कि यह सामाजिक सुधार, समानता और सुशासन की दिशा में सरकार के दृढ़ संकल्प का प्रमाण भी है। 27 जनवरी 2025 को लागू की गई समान नागरिक संहिता ने उत्तराखंड को देश का पहला राज्य बनाकर इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम स्थान दिलाया।

समान नागरिक संहिता का मूल उद्देश्य धर्म, जाति या समुदाय से ऊपर उठकर सभी नागरिकों को समान अधिकार देना है। विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और गोद लेने जैसे विषयों पर समान कानून लागू कर सरकार ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि लोकतंत्र में कानून सबके लिए एक समान होता है। यह निर्णय केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सामाजिक साहस का प्रतीक है, जिसे लागू करना राजनीतिक इच्छाशक्ति के बिना संभव नहीं था।

पिछले एक वर्ष में यूसीसी का प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई देने लगा है। महिलाओं को समान अधिकार, विवाह पंजीकरण की अनिवार्यता और पारदर्शी कानूनी प्रक्रिया ने सामाजिक कुरीतियों पर प्रभावी अंकुश लगाया है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में विवाह पंजीकरण और कानूनी जागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो सरकार के सफल क्रियान्वयन को दर्शाता है। यह भी उल्लेखनीय है कि सरकार ने यूसीसी को केवल कानून तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक ढांचे को मजबूत किया। अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण, जन-जागरूकता कार्यक्रम, डिजिटल प्रक्रियाओं और त्वरित निस्तारण प्रणाली के माध्यम से इसे जनहितकारी बनाया गया। यही कारण है कि आज यूसीसी को समाज के व्यापक वर्ग का समर्थन प्राप्त हो रहा है।

निस्संदेह, समान नागरिक संहिता की राह आसान नहीं थी। आशंकाएं, भ्रम और विरोध भी सामने आए, लेकिन सरकार ने संवाद, संवेदनशीलता और संविधानिक मूल्यों के साथ इन चुनौतियों का सामना किया। परिणामस्वरूप आज यूसीसी उत्तराखंड की पहचान बन चुकी है और अन्य राज्यों के लिए एक मॉडल के रूप में उभर रही है।

यूसीसी की पहली वर्षगांठ पर यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि सरकार ने इतिहास रचने का साहसिक कार्य किया है। यह जश्न केवल एक कानून का नहीं, बल्कि समानता, न्याय और आधुनिक भारत की ओर बढ़ते कदम का उत्सव है। आने वाले वर्षों में यूसीसी सामाजिक परिवर्तन की मजबूत नींव बने–यही इसकी सबसे बड़ी सफलता होगी।

सनातन,संत, सत्ता और संग्राम

तनवीर जाफ़री

गत दिनों मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज में उस समय के एक अजीब स्थिति पैदा हो गयी जबकि माघ मेला में मेला प्रशासन व पुलिस द्वारा शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को संगम में स्नान करने से रोका गया ? मेला प्रशासन के अनुसार सुरक्षा कारणों से उनके वाहन (पालकी) को रोका गया और स्नान हेतु पैदल जाने को कहा गया। परन्तु शंकराचार्य जी ने इस प्रशासनिक निर्देश को प्रोटोकॉल का उल्लंघन मानते हुए अस्वीकार कर दिया। घटना के सम्बन्ध में प्राप्त ब्यौरे के अनुसार स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद मौनी अमावस्या के दिन अपनी पालकी पर सवार होकर अपने सैकड़ों भक्तों व अनुयायियों के साथ संगम नोज़ की तरफ़ बढ़ रहे थे। उसी समय मेला प्राधिकरण की ओर से तैनात पुलिस ने भारी भीड़ बताकर उनकी पालकी को रोक दिया और शंकराचार्य जी से सीमित अनुयायियों के साथ पैदल स्नान स्थल तक पहुँचने व स्नान करने का अनुरोध किया। परन्तु शंकराचार्य ने पूरे सम्मान और प्रोटोकॉल की मांग की, जो अस्वीकार होने पर उन्होंने स्नान नहीं किया और अनशन पर बैठ गए। इस संबंध में मेला व पुलिस प्रशासन का पक्ष है कि शंकराचार्य को स्नान से नहीं, बल्कि वाहन से स्नान लिये जाने से रोका गया था और सुरक्षा व भीड़ प्रबंधन के लिए यह ज़रूरी भी था।

परन्तु शंकराचार्य जी व उनके शिष्यों द्वारा जो आरोप लगाये गये हैं वे बेहद गंभीर हैं। कहा जा रहा है कि पुलिस द्वारा शंकराचार्य जी महाराज के शिष्यों की चोटी (शिखा) को पकड़कर घसीटा गया,उन्हें बुरी तरह पीटा गया व अपमानित किया गया। इस घटना को केवल एक कृत्य या हिंसा नहीं, बल्कि इसे सुनियोजित सांस्कृतिक अपमान बताया जा रहा है। क्योंकि यह सब उस समय हुआ जब शंकराचार्य, साधु,संत, शिष्य और श्रद्धालु किसी विरोध या प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और ईश्वर आराधना के लिए संगम घाट पर आए थे। लिहाज़ा क्या वजह है कि सनातन धर्म व संतों की रक्षा व इसके मान सम्मान की दुहाई देने वाली भाजपा सरकार के शासन काल में शंकराचार्य स्तर के सम्मानित संतों व उनके गुरुकुल के शिष्यों का धर्म क्षेत्र प्रयागराज में इस तरह अपमान किया गया?

इस घटना के फ़ौरन बाद जिस तरह 19 जनवरी को प्रशासन ने एक नोटिस चिपका कर 24 घंटे में शंकराचार्य जी से यह बताने को कहा गया कि अविमुक्तेश्वरानंद जी शंकराचार्य कैसे हैं ? गोया शंकराचार्य को स्नान से रोके जाने की बात यहां तक जा पहुंची कि अविमुक्तेश्वरानंद जी शंकराचार्य हैं या नहीं ? शंकराचार्य कैसे बनते हैं और कौन बना सकता है ? क्या सरकार तय करेगी कि कौन शंकराचार्य है और कौन नहीं ? यानी भीड़ को बहाना बनाकर शंकराचार्य की पालकी को रोकना उनके अनुयायियों से मारपीट करना व उन्हें अपमानित करना फिर उसके बाद उनकी शंकराचार्य की पदवी को ही चुनौती देने का अर्थ है कि उन्हें किसी पूर्वाग्रह के चलते ही रोका गया। साथ ही जिसतरह कई संत सरकार की भाषा बोलते व सरकार का पक्ष लेते दिखाई दिये उससे भी साफ़ हो गया कि उन्हें रोकना व अपमानित करना न केवल सत्ता के अहंकार का एक उदाहरण है बल्कि इसके पीछे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के विरुद्ध सत्ता का पूर्वाग्रह भी नज़र आता है। हालाँकि देश का अधिकांश संत समाज अविमुक्तेश्वरानंद जी व उनके शिष्यों व अनुयायियों के साथ हुये दुर्व्यवहार व अपमान से आहत नज़र आया। इस घटना के बाद जिस तरह देश के कोने कोने से शंकराचार्य के अनुयायी व अनेक संत संगम तट पर इकठ्ठा होने शुरू किया इससे भी सरकार की काफ़ी फ़ज़ीहत हुई है।

यदि आप शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के विगत कुछ वर्षों की सक्रियता व उनकी कारगुज़ारियों पर नज़र डालें तो हम यह देखेंगे कि वे बे हिचक और बिना लाग लपेट के और बिना सत्ता की परवाह किये अपनी बात कहने वाले संत हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जनवरी 2024 में अयोध्या राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का विरोध करते हुये कहा था कि उस समय चूँकि मंदिर का शिखर, कलश और ध्वज स्थापित नहीं थे लिहाज़ा अधूरे मंदिर में प्रतिष्ठा करने से मूर्ति में आसुरी शक्ति प्रवेश कर सकती है, जो शास्त्रों के विरुद्ध है। इसी तरह उन्होंने नवंबर 2025 में भी ध्वजारोहण पर यह कहते हुये सवाल उठाए थे कि शास्त्रों में ध्वजारोहण का उल्लेख नहीं है, बल्कि शिखर प्रतिष्ठा होती है, जो अभी बाक़ी थी। उन्होंने इस आयोजन को मनमाना और शास्त्र-विरोधी भी बताया था तथा शंकराचार्यों को न बुलाने पर भी नाराज़गी जताई थी । शंकराचार्य ने प्रयागराज के महाकुंभ में हुई भगदड़ के लिये भी योगी आदित्यनाथ सरकार की कड़ी आलोचना की थी। उस वक़्त उन्होंने कहा था कि सरकारी प्रबंधों के दावों की पोल खुल गई है और राज्य सरकार को खुद ही हट जाना चाहिए। शंकराचार्य ने कहा था कि महाकुंभ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का दावा करने वाली सरकार को व्यापक तैयारी करनी चाहिए थी, लेकिन भगदड़ ने सरकार की नाकामी उजागर कर दी। इसी तरह शंकराचार्य जी ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के विकास कार्यों के नाम पर प्राचीन मंदिरों को तोड़े जाने का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने गोविंदेश्वर महादेव मंदिर को तोड़े जाने पर धरना दिया था और प्रशासन पर शिवलिंग ग़ायब करने का आरोप लगाया था । स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी ने इसे हिंदू धार्मिक परंपराओं के ख़िलाफ़ बताया था और कहा था कि विकास के नाम पर मंदिर नष्ट नहीं किए जाने चाहिए। उन्होंने स्कंद पुराण में उल्लिखित मंदिरों का हवाला देते हुए विरोध प्रदर्शन किया और धर्म संसद भी बुलाई थी।

इसी तरह स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी ने केदारनाथ मंदिर से 228 किलोग्राम सोने के ग़ायब होने की मीडिया में प्रसारित ख़बरों पर प्रतिक्रिया करते हुये इसे सोना घोटाला क़रार दिया था। उन्होंने दिल्ली में केदारनाथ मंदिर के निर्माण पर भी सवाल उठाते हुये कहा था कि हिमालय में स्थित मंदिर को दिल्ली में नहीं बनाया जा सकता। गोहत्या के विरुद्ध हमेशा मुखर व आंदोलित रहने वाले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गौ हत्या मामले में पूर्व मंत्री मुख़्तार अब्बास नक़वी और केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू की तुलना करते हुए भाजपा के घोर आंतरिक विरोधाभास पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि नक़वी ने गोमांस खाने वालों को पाकिस्तान जाने की सलाह दी थी तो ऐसे व्यक्ति को मंत्री पद से हटा दिया गया जबकि किरण रिजिजू ने गोमांस खाने वालों का समर्थन करते हुए कहा था कि वे ख़ुद भी बीफ़ खाते हैं और कोई उन्हें रोक नहीं सकता। ऐसा व्यक्ति (किरण रिजिजू) प्रधानमंत्री के पीछे बैठा दिखाई देता है ।

हिंदू भावनाओं के साथ खिलवाड़ व भाजपा की दोहरी नीति का उदाहरण बताते हुए उन्होंने गौ रक्षा के प्रति पार्टी की गंभीरता पर सवाल उठाए थे । ऐसे और भी कई उदाहरण हैं जिनसे यह पता चलता है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का अनेक धार्मिक मुद्दों पर मुखरित होकर बोलना उस सत्ता को रास नहीं आता जो अपने विरुद्ध की जाने वाली किसी भी आलोचना या टीका टिप्पणी को सहन नहीं कर पाती। शायद यही वजह है कि सनातन की रक्षा का दवा करने वाली सत्ता और सनातन के वास्तविक ध्वजवाहक संतों के मध्य कभी कभी संग्राम जैसी स्थिति पैदा हो जाती है।

लाला लाजपत रायः जिनकी लाठी ने आज़ादी की नींव और मजबूत की

सुनील कुमार महला

28 जनवरी को महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, आर्य समाज के प्रमुख विचारक तथा प्रखर राष्ट्रवादी नेता लाला लाजपत राय की जयंती मनाई जाती है। अपनी ओजस्वी वाणी, निर्भीक तेवर और अंग्रेजी हुकूमत के सामने कभी न झुकने वाले व्यक्तित्व के कारण वे जनमानस में 'पंजाब केसरी' (पंजाब का शेर) के नाम से विख्यात हुए। उनकी गर्जना(ओजस्वी भाषण) इतनी प्रभावशाली होती थी कि सभाओं में उपस्थित हजारों लोग एक ही आह्वान पर उनके पीछे चल पड़ते थे। निस्संदेह, वे भारतीय इतिहास के उन तेजस्वी सितारों में से एक हैं जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी 1865 को पंजाब के फिरोजपुर ज़िले के धुडीके गाँव (तत्कालीन पंजाब, ब्रिटिश भारत) में हुआ था। उनके पिता मुंशी राधाकृष्ण उर्दू-फ़ारसी के विद्वान थे तथा माता गुलाब देवी एक धार्मिक एवं संस्कारवान महिला थीं। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने लाहौर के गवर्नमेंट कॉलेज से कानून की पढ़ाई की। इसी दौरान वे स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों से अत्यंत प्रभावित हुए और लाहौर में आर्य समाज से जुड़ गए। लाला जी का मानना था कि हिंदू धर्म का नैतिक आदर्शवाद जब राष्ट्रवाद के साथ जुड़ता है, तो वह एक धर्मनिरपेक्ष राज्य (सेकुलर स्टेट) की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है। शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण अत्यंत प्रगतिशील था। वे दृढ़ता से विश्वास करते थे कि बिना शिक्षा के कोई भी राष्ट्र उन्नति नहीं कर सकता। इसी सोच के परिणामस्वरूप उन्होंने युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए तैयार करने हेतु 'सर्वेंट्स ऑफ द पीपल सोसाइटी' की स्थापना की तथा लाहौर में 'नेशनल कॉलेज' की शुरुआत की, जहाँ आगे चलकर भगत सिंह जैसे महान क्रांतिकारियों ने शिक्षा प्राप्त की।वे सामाजिक सुधारों के प्रबल समर्थक थे। 1890 के दशक के अंत में जब भारत के कई भागों में भीषण अकाल पड़ा, तब लाला जी ने राहत कार्यों का नेतृत्व किया और अनाथ बच्चों के लिए अनेक राहत शिविर एवं अनाथालय स्थापित कराए। वे विधवा पुनर्विवाह, स्त्री शिक्षा और छुआछूत उन्मूलन के लिए सक्रिय रूप से कार्यरत रहेराष्ट्रीय आंदोलन में उनकी भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही। बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल के साथ मिलकर उन्होंने उग्र राष्ट्रवादी नेताओं की प्रसिद्ध त्रयी 'लाल-बाल-पाल' का गठन किया। वे इस त्रयी के प्रमुख स्तंभ थे। वे हिंदू महासभा से भी जुड़े रहे और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध मुखर रहे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य के रूप में उन्होंने पंजाब के अनेक राजनीतिक आंदोलनों का नेतृत्व किया। वर्ष 1907 में अंग्रेज सरकार ने उन्हें आंदोलनकारी गतिविधियों के कारण बर्मा निर्वासित कर दिया, किंतु पर्याप्त प्रमाण न होने के कारण कुछ महीनों बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। कम लोगों को ज्ञात है कि 1914 से 1919 के बीच लाला लाजपत राय अमेरिका में रहे। वहाँ उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहुँचाया और ब्रिटिश शासन के अत्याचारों से अमेरिकी जनता को अवगत कराया। इसी दौरान उन्होंने 1917 में 'होम रूल लीग ऑफ अमेरिका' की स्थापना कर अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत की स्वतंत्रता के लिए नैतिक समर्थन माँगा।उन्होंने बंगाल विभाजन का कड़ा विरोध किया, रौलेट एक्ट और जलियांवाला बाग हत्याकांड की तीखी निंदा की। वे अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। वर्ष 1920 में कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन में उन्होंने महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन का समर्थन किया। वर्ष 1926 में वे केंद्रीय विधानसभा के उप-नेता चुने गए। 1928 में जब ब्रिटिश सरकार ने बिना किसी भारतीय सदस्य के साइमन कमीशन भारत भेजा, तो लाला लाजपत राय ने विधानसभा में इसका विरोध प्रस्ताव रखा और लाहौर में इसके खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इसी दौरान उन्होंने ऐतिहासिक नारा दिया-साइमन वापस जाओ(साइमन गो बैक)। लाहौर में साइमन कमीशन के विरोध के दौरान पुलिस अधीक्षक जेम्स स्कॉट के आदेश पर उन पर निर्मम लाठीचार्ज किया गया।

गंभीर चोटों के बावजूद उन्होंने अंग्रेज सरकार से कभी क्षमा नहीं माँगी। लाठीचार्ज से पूर्व उनका दिया गया वाक्य-मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी ब्रिटिश साम्राज्य के ताबूत में कील बनेगी। बाद में ऐतिहासिक सत्य सिद्ध हुआ। चोटों के कारण 17 नवंबर 1928 को लाहौर में उनका निधन हो गया। लाला जी की शहादत से क्षुब्ध होकर ही भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने अंग्रेज अधिकारी सॉन्डर्स को मारकर प्रतिशोध लिया।लाला लाजपत राय न केवल एक निर्भीक स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि वे भारत को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक रूप से सशक्त बनाने वाले दूरदर्शी चिंतक भी थे।

आशा-आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का स्वैच्छिक योगदान

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत के ग्रामीण समाज में महिला सशक्तिकरण, पोषण और स्वास्थ्य काफी हद तक आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर निर्भर करता है। ये वे महिलाएं हैं जो घर-घर जाकर टीकाकरण करती हैं, बच्चों में कुपोषण का पता लगाती हैं, गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव में सहायता करती हैं और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कोविड-19 जैसी महामारी में इन्हें अग्रिम पंक्ति के सैनिकों की तरह इस्तेमाल किया गया था, लेकिन आजकल ये महिलाएं सड़कों पर हैं, उनका गंतव्य पश्चिम बंगाल का सियालदह रेलवे स्टेशन या कर्नाटक का फाउंटेन चौक है। उनकी स्थिति भी बेहतर नहीं हैः क्या राष्ट्र के स्वास्थ्य की देखभाल करने वाली इन महिलाओं को श्रमिक का दर्जा नहीं दिया जाएगा?

आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की ज़रूरतें असाधारण नहीं हैं; उन्हें न्यूनतम वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी, तृतीय श्रेणी कर्मचारी का दर्जा और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त है। फिर भी, सरकारें उन्हें औपचारिक श्रम अधिकारों से वंचित रखती हैं और उन्हें स्वयंसेवक या परियोजना कार्यकर्ता कहती हैं। दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 तक हुई देशव्यापी हड़तालें इस दीर्घकालिक उपेक्षा की सार्वजनिक अभिव्यक्ति का एक उदाहरण हैं। सन् 1975 में आईसीडीएस और सन् 2005 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत आंगनवाड़ी योजना और आशा योजना शुरू की गई। इसका उद्देश्य स्थानीय महिलाओं की भागीदारी से ग्रामीण स्वास्थ्य और पोषण प्रणालियों को सशक्त बनाना था। शुरुआत में, सरकारी खर्च को सीमित करने के लिए स्वैच्छिक प्रणाली अपनाई गई थी, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि ये महिलाएं पूर्णकालिक कामगारों के रूप में कार्यरत हैं। आशा कार्यकर्ता को 1,000 लोगों की देखभाल करनी होती है, जबकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ 40 बच्चों की देखभाल, पोषण वितरण और रिकॉर्ड रखने का काम करती हैं।

2006 में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि वैधानिक पदों पर न होने के कारण वे सरकारी कर्मचारी हैं, लेकिन इस फैसले को नजरअंदाज कर दिया गया। हालांकि, 2022 के एक फैसले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 2013 के आईसीडीएस अधिनियम के अनुसार ग्रेच्युटी का अधिकार दिया गया। बाद में, 2024 में गुजरात उच्च न्यायालय ने समानता के सिद्धांत के आधार पर उन्हें राज्य कर्मचारी के रूप में स्वीकार किया, जबकि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पदोन्नति के मुद्दे पर विचार करने का निर्देश दिया। इसके बावजूद, केंद्र और राज्य की नीतियां असंगत और अनियमित हैं। मानदेय का प्रचलन शर्मनाक है। आशा कार्यकर्ताओं को 3,500 से 6,000 के बीच न्यूनतम मानदेय मिलता है, और वह भी प्रोत्साहन राशि पर आधारित है। कर्नाटक में 6,000 का मानदेय निर्धारित है, लेकिन इसका भुगतान आठ-नौ महीने देरी से होता है। आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों को औसतन 15,000 मिलते हैं। कोई अवकाश नहीं, कोई परिवहन भत्ता नहीं, उचित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण नहीं। मातृत्व अवकाश भी बहुत कम हैं, और कार्यभार लगातार बढ़ता जा रहा है।

चूंकि यह शब्द स्वयंसेवकों पर लागू होता है, इसलिए वे न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948, समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 और चार नए श्रम कानूनों के दायरे से बाहर हैं। 45वें भारतीय श्रम सम्मेलन में न्यूनतम मजदूरी के लिए [?]26,000 की सिफारिश अभी तक लागू नहीं की गई है। ईपीएफ और ईएसआई जैसी कोई सामाजिक सुरक्षा योजना नहीं है। सेवानिवृत्ति पेंशन में [?]1,200 की वृद्धि की मांग वर्षों से बनी हुई है, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ई-श्रम कार्ड कोई पात्रता प्रदान नहीं करता, बल्कि केवल डेटा एकत्र करता है। विडंबना यह है कि देश में कुपोषण और शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महिलाएं स्वयं ही असुरक्षित हैं। एनएफएचएस-5 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 35 प्रतिशत बच्चे बौनेपन के शिकार हैं और शिशु मृत्यु दर प्रति हजार 28 है। आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने इन आंकड़ों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोविड-19 के दौरान 500 से अधिक कर्मचारी शहीद हो गए और मुआवजे की घोषणा भी की गई, लेकिन भुगतान में भारी देरी हुई। मानसिक तनाव, कार्यभार और हरियाणा जैसे राज्यों में 20 प्रतिशत रिक्त पदों के कारण स्थिति और भी खराब हो गई है। यह एक राजनीतिक स्तर की समस्या है जिसे स्वीकार किया गया है। 16 दिसंबर 2025 को राज्यसभा में सोनिया गांधी ने इस मुद्दे को उठाया था। बजट 2026 में कुछ संकेत दिए गए थे, लेकिन कोई निश्चित और बाध्यकारी निर्णय नहीं लिया गया।

गणतंत्र दिवस पर डीएवी देहरादून में देशभक्ति की धूम, राष्ट्रप्रेम से सराबोर प्रांगण

पथ प्रवाह, देहरादून

डीएवी पब्लिक स्कूल, डिफेंस कॉलोनी, देहरादून में 77वाँ गणतंत्र दिवस समारोह देशभक्ति, श्रद्धा, उत्साह एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना के साथ भव्य रूप से मनाया गया। विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी झालरों, गुब्बारों तथा सौभाग्य, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक आकर्षक रंगोलियों से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण राष्ट्रप्रेम के रंग में सराबोर नजर आया। गणतंत्र दिवस समारोह का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या शालिनी समाधिया और मुख्य अतिथि कर्नल शशि मोहन गोसाईं ने स्कूल प्रागंण की प्राचीर पर ध्वजारोहण के साथ किया। जैसे ही तिरंगा शान से फहराया, पूरा विद्यालय प्रांगण भारत माता की जय और देशभक्ति के नारों से गूंजायमान हो उठा। राष्ट्रगान की गूंज ने उपस्थित सभी के हृदय में मातृभूमि के प्रति प्रेम, सम्मान और समर्पण की भावना को और अधिक प्रबल कर दिया। मुख्य अतिथि कर्नल शशि मोहन गोसाईं के साथ डॉ बी.के. नौटियाल, कर्नल एस.एल. पैन्यूली, कर्नल एस.एम. जोहर एवं श्रीमती जोहर की विशिष्ट उपस्थिति रही। उदित होते

सूर्य की स्वर्णिम किरणों की भांति विद्यार्थियों में जोश और चेतना भरते हुए साउद ज़ैदी के नेतृत्व में प्रस्तुत सशक्त मार्च पास्ट ने समूचे वातावरण को अनुशासन, ऊर्जा और राष्ट्रगौरव से ओत-प्रोत कर दिया। कदम से कदम मिलाकर चलते विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि देश का भविष्य सजग, सशक्त और कर्तव्यनिष्ठ हाथों में सुरक्षित है। कार्यक्रम की अगली कड़ी में संगीत अध्यापक वैभव आर्या एवं अमित धीमान के निर्देशन में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों ने विविधता में एकता के संदेश को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया। वहीं सांस्कृतिक विरासत और समर्पण भाव से सजी नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कक्षा 11 के छात्र ऋषभ रावत ने अपने ओजस्वी भाषण में भारत की उन उपलब्धियों का उल्लेख किया, जिन्होंने विश्व पटल पर देश को नई पहचान दिलाई है। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों का साहस और बलिदान ही हमारी असली ताकत है, जिनकी बदौलत तिरंगा सदैव गर्व से लहराता है। वहीं बी.के. नौटियाल ने विद्यार्थियों को अनुशासनपूर्ण जीवन अपनाने का संदेश देते हुए इसे सफलता की कुंजी बताया। समारोह के समापन पर प्रधानाचार्या ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे निष्ठा और परिश्रम से ज्ञान अर्जित कर उसे राष्ट्र निर्माण में लगाएँ। उन्होंने संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के ईमानदार निर्वहन की प्रेरणा दी। गणतंत्र दिवस का यह आयोजन मात्र एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम, एकता और कर्तव्यबोध का जीवंत उदाहरण बनकर सभी के हृदय में देशभक्ति की अमिट छाप छोड़ गया।

एक नजर

मौसम अलर्ट के चलते 28 जनवरी को स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्र बंद

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। भारत मौसम विज्ञान विभाग देहरादून द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के मद्देनज़र जनपद अल्मोड़ा में 28 जनवरी 2026 (बुधवार) को कक्षा 1 से 12 तक संचालित समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं निजी विद्यालयों तथा सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में एक दिवसीय अवकाश घोषित किया गया है। मौसम विभाग ने गर्जन के साथ आकाशीय बिजली, ओलावृष्टि एवं 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोकेंदार हवाएं चलने की संभावना जताई है। साथ ही अतिवृष्टि से भूस्खलन, सड़क बंद होने व जलभराव जैसी आपदाओं की आशंका को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने आदेश के कड़ाई से अनुपालन के निर्देश दिए हैं।

न्याय, समानता और बंधुत्व का संकल्प—संविधान की ताक़त, कुमायूँ पुलिस की प्रतिबद्धता : आईजी रिद्धिम अग्रवाल

पथ प्रवाह, नैनीताल। 77वें गणतंत्र दिवस के शुभ एवं गौरवमयी अवसर पर कुमायूँ परिक्षेत्र की पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती रिद्धिम अग्रवाल ने कुमायूँ परिक्षेत्र की समस्त जनता, पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। अपने प्रेरक संदेश में उन्होंने गणतंत्र दिवस को केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानों की जीवंत स्मृति बताया। आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने कहा कि 26 जनवरी वह दिन है जब भारत ने अपने लिए एक सशक्त, न्यायपूर्ण और समावेशी शासन व्यवस्था को आत्मसात किया। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों के साथ-साथ हमारे कर्तव्य भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व जैसे संवैधानिक मूल्य ही भारत की एकता और अखंडता की आधारशिला हैं, जिन्हें प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन और आचरण में उतारना चाहिए। अपने संबोधन में आईजी अग्रवाल ने कुमायूँ परिक्षेत्र की पुलिस की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि जनता की सेवा, सुरक्षा और विश्वास पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों पर प्रभावी रोकथाम तथा समाज के कमजोर और वंचित वर्गों की रक्षा के लिए कुमायूँ पुलिस निरंतर सजग और प्रतिबद्ध है। उन्होंने विषम भौगोलिक परिस्थितियों और चुनौतीपूर्ण हालातों में भी पुलिस बल द्वारा अनुशासन, साहस और कर्तव्यनिष्ठा के साथ किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने कहा कि गणतंत्र दिवस का अवसर आत्ममंथन का भी है, जब हम अपने कार्यों और निर्णयों में संवैधानिक मूल्यों को और अधिक मजबूती से अपनाने का संकल्प लें। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे कानून के प्रति सम्मान रखें, सामाजिक सौहार्द बनाए रखें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएँ। उन्होंने सभी से अपील की कि इस पावन अवसर पर राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा हेतु पूर्ण निष्ठा से कार्य करने तथा जनसेवा को अपना सर्वोच्च धर्म मानने का संकल्प लें। कुमायूँ पुलिस संविधान की भावना के अनुरूप सुरक्षित, शांतिपूर्ण और सशक्त समाज के निर्माण के लिए सदैव तत्पर रहेगी।

बीएम डीएवी पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस, तिरंगे के सम्मान में गूंजा प्रांगण

पथ प्रवाह, देहरादून।

बीएम डीएवी पब्लिक स्कूल, भूपतवाला में 77वाँ गणतंत्र दिवस समारोह देशभक्ति, श्रद्धा, उत्साह एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना के साथ भव्य रूप से मनाया गया। विद्यालय में राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम के रंग में सराबोर नजर आया। विद्यालय की प्रधानाचार्या लीना भाटिया ने विद्यालय प्रांगण में ध्वज फहराया। तिरंगा हवा में शान से फहराया गया स्कूल परिसर भारत माता की जय जयकार और देशभक्ति के उदघोष से गुंजायमान हो उठा। राष्ट्रगान की गूंज ने उपस्थित सभी के हृदय में मातृभूमि के प्रति प्रेम, सम्मान और समर्पण की भावना को और अधिक सशक्त कर दिया।

प्रधानाचार्या लीना भाटिया ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे निष्ठा और परिश्रम से ज्ञान अर्जित कर उसे राष्ट्र निर्माण में समर्पित करें। उन्होंने संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के ईमानदार निर्वहन की प्रेरणा दी। स्कूली बच्चों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने राष्ट्रप्रेम, एकता और कर्तव्यबोध की जीवंत प्रस्तुतियों से सभी के हृदय में देशभक्ति की अमिट छाप छोड़ दी। मिष्ठान वितरण के साथ गणतंत्र दिवस समारोह संपन्न हुआ।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में सीएम पुष्कर धामी व प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ने फहराया तिरंगा

पथ प्रवाह, देहरादून।

77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ने बलवीर रोड स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर राष्ट्रगान के साथ वातावरण देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो गया। ध्वजारोहण कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक खजान दास, प्रेमचन्द अग्रवाल सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी और संविधान तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ने

गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिन हमें संविधान की गरिमा, देश की एकता और लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ करने का संदेश देता है। कार्यक्रम के दौरान संगठन की मजबूती और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प भी लिया गया।

ब्रह्मा कुमारीज संस्थान हरिद्वार में गणतंत्र दिवस समारोह संपन्न

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

देश भर में मनाई जा रहे 77 में गणतंत्र दिवस के मौके पर ऋषिकुल स्थित ब्रह्माकुमारीज संस्थान ने भी ध्वजारोहण और देश भक्ति गीतों के साथ गणतंत्र दिवस मनाया। संस्थान में पहुंचे सभी साधकों ने स्वयं और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को दोहराया। संस्था की हरिद्वार सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी मीना दीदी ने सभी साधकों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस तरह देश को चलाने के लिए एक संविधान की जरूरत होती है इस तरह हमें खुद को चलाने के लिए भी कुछ यम और नियम का जीवन में अनुसरण करना होता है। उन्होंने कहा कि शिव बाबा के सभी बच्चे स्वयं तो नियंत्रित जीवन जीते ही हैं और दूसरों के लिए भी वे प्रेरणा स्रोत है। सुबह कोहरे के बावजूद सभी समय से पहुंच कर झंडा वंदन के लिए डटे रहे यह अपने आप में साबित करता है की सभी भारत भूमि से प्रेम करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जिस व्यक्ति को स्वयं पर नियंत्रण है वह समाज के लिए भी उपयोगी

साबित होता है क्योंकि वह हर कार्य नियमित ढंग से करता और दूसरों से करवाता है। मंकी गर्ल के नाम से प्रसिद्ध साक्षी राजपूत को भी उन्होंने गणतंत्र दिवस के मौके पर विशेष शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में,साहित्यकार डॉ राधिका नागराज ,ब्रह्माकुमारी रजनी एवं अन्य उपस्थित रहे।

जनता—जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से ही स्वच्छता बनेगी स्थायी आदत: जिलाधिकारी

पथ प्रवाह, पौड़ी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में 26 जनवरी से 26 फरवरी तक चलने वाले विशेष स्वच्छता अभियान का शुभारंभ विकासखंड पौड़ी के वजली गांव से किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया तथा विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने प्रतिभाग कर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरुक किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला, स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी, ब्लॉक प्रमुख अस्मिता नेगी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने वजली गांव के समीप सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया। साथ ही उपस्थितों को स्वच्छता की शपथ भी दिलायी गयी।

जिलाधिकारी ने सभी विकासखंडों और जिला पंचायत के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अभियान में ग्रामीण तथा नगरीय सभी

स्तरों पर जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि स्वच्छता अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सभी 15 विकासखंडों में नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं। उन्होंने सभी विकासखंडों में कूड़ा वाहन भी तैनात करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ग्रामीण क्षेत्रों में सूखे कूड़े के निस्तारण को लेकर जानकारी देते हुए कहा कि सभी विकासखंडों में कॉम्पैक्टर स्थापित किए गए हैं, जिनके संचालन के माध्यम से सूखे कूड़े का वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण कर उसका पुनः उपयोग किया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, बल्क वेस्ट वाले स्थलों में भी कूड़ा संग्रहण की व्यवस्था की गयी हैं। इसके लिए एक एसओपी बनायी गयी है तथा अधिकारियों की ज़िम्मेदारी तय की गयी है। उन्होंने खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि जैसे शहरी क्षेत्रों में कूड़ा संग्रहण की व्यवस्था है, उसी तर्ज पर ग्रामीण क्षेत्रों में भी कूड़ा संग्रहण की व्यवस्था की जाए तथा ब्लॉकों में उपलब्ध वाहनों के माध्यम से कूड़े को कॉम्पैक्टर तक पहुंचाया जाए।

जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला ने कहा कि स्वच्छता अभियान तभी सफल होगा जब इसमें गांव-गांव की भागीदारी सुनिश्चित हो। जिला पंचायत स्तर पर पंचायत प्रतिनिधियों को जोड़ते हुए स्वच्छता को एक जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ गांव ही स्वस्थ समाज की नींव रखता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन या एक माह का अभियान नहीं, बल्कि इसे हमारी दिनचर्या का हिस्सा बनाना होगा। स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि सरकार की मंशा है कि स्वच्छता अभियान केवल औपचारिकता न रहे, बल्कि स्थायी व्यवस्था के रूप में स्थापित हो। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कूड़ा निस्तारण की समुचित व्यवस्था विकसित करने के लिए सभी स्तरों पर सहयोग किया जाएगा और जनता की सहभागिता को प्राथमिकता दी जाएगी।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अनिल सिंह गर्ब्याल, पीडी डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, जिला पंचायतीराज अधिकारी जितेंद्र कुमार, जिला पर्यटन विकास अधिकारी खुशाल सिंह नेगी, पीडी स्वजल दीपक रावत, जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित सिंह, निबंधक सहकारिता सौरभ कुमार सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

पाबौ में राष्ट्रीय स्तर ओपन फुटबॉल प्रतियोगिता का शानदार आगाज़

पथ प्रवाह, पाबौ।

पाबौ में आयोजित स्वर्गीय प्रताप सिंह एवं स्वर्गीय विपिन सिंह राष्ट्रीय स्तर ओपन वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ रोमांचक मुकाबले के साथ हुआ। प्रतियोगिता का पहला मैच 12वीं गढ़वाल और खिर्सू ग्वाड़ की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें 12वीं गढ़वाल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एकतरफा जीत दर्ज की। मैच की शुरुआत से ही 12वीं गढ़वाल की टीम आक्रामक मूड में नजर आई। पहले हाफ में टीम के सुचारू डोभाल ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए गोल दागा और अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद खिर्सू ग्वाड़ की टीम ने बराबरी की कोशिश जरूर की, लेकिन 12वीं गढ़वाल की मजबूत रक्षा पंक्ति के सामने उनकी एक भी चाल सफल नहीं हो सकी। दूसरे हाफ में

12वीं गढ़वाल ने खेल पर पूरी तरह कब्जा जमा लिया। टीम ने लगातार चार और गोल करते हुए खिर्सू ग्वाड़ को कोई मौका नहीं दिया और स्कोर 5-0 तक पहुंचा दिया। इस शानदार जीत के साथ 12वीं गढ़वाल ने अगले दौर में अपना स्थान पक्का कर लिया।

मैच के दौरान खिलाड़ियों के साथ-साथ दर्शकों में भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। निर्णायक की भूमिका में कुलदीप बोरा, जितेंद्र,सिंह, सागर और कमेंट्री की अहम भूमिका रही, जबकि कमेंट्री का जिम्मा मतवार सिंह चौहान, विमल नेगी एवं हरेंद्र कोहली ने संभाला। उनकी रोचक और जानकारियों से भरपूर कमेंट्री ने दर्शकों को पूरे मैच के दौरान बांधे रखा।

प्रतियोगिता के पहले ही मुकाबले में मिले इस रोमांचक प्रदर्शन से पाबौ क्षेत्र में खेल प्रेमियों का उत्साह और भी बढ़ गया है।

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देशों पर यूसीसी दिवस पर नगर पालिकाओं में आयोजित किए गये मोहल्ला शिविर

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी

प्रदेश में समान नागरिक संहिता (ष्ट्ट) के ऐतिहासिक क्रियान्वयन के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मंगलवार को जिले में प्रथम यूसीसी दिवस मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम जिला मुख्यालय पर आयोजित हुआ, जहाँ प्रशासन और कानून के जानकारों ने इस कानून की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस दौरान वक्ताओं द्वारा अवगत कराया गया कि यूसीसी का उद्देश्य समाज के हर नागरिक को समान अधिकार देना और दशकों से चली आ रही कानूनी विसंगतियों को दूर करना है। यह दिवस भविष्य में सामाजिक समरसता के प्रतीक के रूप में याद किया जाएगा।

जिला मुख्यालय के ऑडिटोरियम में द्वीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। उपनिबंधक अभिसार चौधरी द्वारा यूसीसी के विषय में जागरूकता और जरूरी जानकारियां साझा की गयी तथा यूसीसी के संबंध में क्विज का आयोजन भी किया गया जिसमें उपस्थित जनसमूह द्वारा उत्साह के साथ प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिले में यूसीसी के कार्यान्वयन को लेकर उत्कृष्ट कार्य काने वाले कर्मिकों को भी सम्मानित किया गया।

जिला मुख्यालय के साथ-साथ बड़कोट तहसील के अंतर्गत आईटीआई बड़कोट में भी यूसीसी दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बड़कोट में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया। बड़कोट में अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्र के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय जनता को यूसीसी के संबंध में जानकारी प्रदान की गई जिससे यूसीसी के माध्यम से विवाह पंजीकरण, उत्तराधिकार और अन्य पारिवारिक मामलों में सरलता आएगी। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित दूरस्थ क्षेत्रों से आए लोगों ने भी इस नई व्यवस्था के प्रति अपनी जिज्ञासाएँ साझा कीं और कानून की बारीकियों को समझा।

यूसीसी दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देशों पर जिले की नगर पालिका के विभिन्न वार्डों में मोहल्ला शिविर का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से शहरी क्षेत्र में यूसीसी के बारे में जानकारी दी गई तथा यूसीसी पंजीकरण किए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि समान नागरिक संहिता किसी की व्यक्तिगत धार्मिक मान्यताओं में हस्तक्षेप नहीं करती, बल्कि यह नागरिक अधिकारों को सुरक्षा प्रदान करती है। महिलाओं के अधिकारों, उनके पैतृक संपत्ति में समान हिस्सेदारी और भरण-पोषण के नियमों पर यूसीसी में विशेष प्रावधान किए गए हैं।

गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड के जन-प्रतिनिधि के रूप में, मुझे गर्व है कि हमारा राज्य समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना है। यह कानून किसी जाति या धर्म के विरुद्ध नहीं, बल्कि नारी शक्ति के सशक्तिकरण और सभी नागरिकों को समान अधिकार देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। हमने अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय परंपराओं का सम्मान करते हुए, बहुविवाह और कुप्रथाओं को समाप्त कर एक प्रगतिशील समाज की नींव रखी है। यूसीसी दिवस के अवसर पर जनपद मुख्यालय, तहसील, ब्लॉक , नगर पालिका और ग्राम स्तर में भी जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।इस दौरान जिला प्रशासन द्वारा जिले में यूसीसी की मार्गदर्शिकाएँ और पम्फलेट्स भी वितरित किए गए। प्रशासन ने यह भी सुनिश्चित किया कि आगामी दिनों में न्याय पंचायत स्तर पर भी जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे।इस दौरान जिला मुख्यालय पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यूसीसी सम्बंधित जागरूकता नाटक प्रतुत किए गए। इस दौरान जिला मुख्यालय के कार्यक्रम में दायित्धारी राज्य मंत्री प्रताप सिंह पंवार,ब्लॉक प्रमुख डुंडा राजदीप परमार,नगर पालिका अध्यक्ष चिन्यालीसौड़ मनोज कोहली , पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय, सीडीओ जय भारत सिंह, सीओ जनक पंवार, सीएमओ बीएस रावत, डीईओ शैलेन्द्र अमोली, समाज कल्याण अधिकारी सुधीर जोशी, पर्यावरण विशेषज्ञ प्रताप मटुडा सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। बड़कोट में पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम डोभाल,अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्र, एसडीएम बृजेश तिवारी,डीएफओ रविंद पुंडीर, तहसीलदार रेनू सैनी , ईओ उमेश सुयाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल की गंगाधर महादेव भीमगोड़ा इकाई का गठन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल की गंगाधार महादेव भीमगोड़ा व्यापार मंडल इकाई का गठन किया गया। नवगठित इकाई में अर्चित चौहान अध्यक्ष, सुमेर वर्मा महामंत्री, प्रशांत शर्मा कोषाध्यक्ष, डा.दिनेश वर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नरेंद्र कश्यप उपाध्यक्ष, सत्यम गुप्ता सचिव नियुक्त किए गए हैं। नगर उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष डा.विशाल गर्ग ने नवनियुक्त कार्यकारिणी को बधाई देते हुए कहा कि एकजुट होकर व्यापारियों के हितों में काम करें। व्यापारी समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। धर्मनगरी में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा प्रदान करने में व्यापारी अहम भूमिका निभाते हैं। व्यापारियों एवं शासन प्रशासन के तालमेल से ही हरिद्वार में होने वाले आयोजन सफल होते हैं। कुंभ मेले को कुशलता पूर्वक संपन्न कराने में भी व्यापारी निर्णायक भूमिका निभाएंगे। डा.विशाल गर्ग ने कहा कि ऑनलाइन व्यापार के खिलाफ व्यापारियों को एकजुट होकर संघर्ष करना है। अपने व्यापार को बेहतर तक तरीके से आगे बढ़ाएं। नवनियुक्त अध्यक्ष अर्चित चौहान एवं महामंत्री सुमेर वर्मा ने सभी का आभार जताते हुए कहा कि सभी को साथ लेकर चलेंगे और संगठन को मजबूत कर व्यापारियों के हितों के लिए संघर्ष करेंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष शिवकुमार कश्यप, प्रदेश सचिव मयंक मूर्ति भट्ट, तहसील

अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक, तहसील महामंत्री पार्षद सुमित चौधरी, शहर अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, शहर महामंत्री विमल सक्सेना, जिला महामंत्री अश्वनी शर्मा, जिला उपाध्यक्ष विशाल मूर्ति भट्ट, आशीष गिरी ने भी सभी पदाधिकारियों को बधाई दी।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने किया ध्वजारोहण, संविधान की उद्देशिका की शपथ दिलाई

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

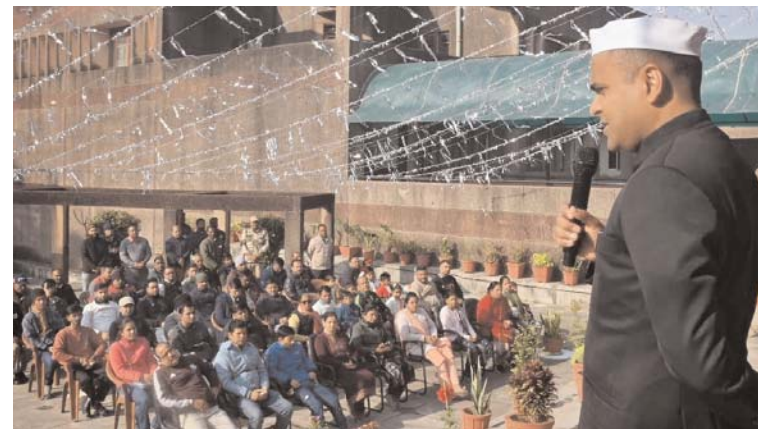

जनपद में 77वां गणतंत्र दिवस धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला कार्यालय परिसर एवं कैम्प कार्यालय में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान की उद्देशिका की शपथ दिलाई। वहीं दूसरी ओर विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा ने ध्वजारोहण किया। नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय में नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान ने ध्वजारोहण किया।

उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा संविधान विश्व के सबसे सशक्त, सबसे बड़ा, दृढ़ व लचीला संविधान है जोकि समयानुकूल विभिन्न आवश्यकताओं को समाहित करता है। समाज में फैली कुरीतियों व अस्पृश्यता का अन्त करने में संविधान महत्वपूर्ण है जिसमें सभी के हितों की रक्षा के लिए सम्मान अधिकार दिया है। उन्होंने कहा कि जनपद एवं प्रदेश की उन्नति के लिए सभी को अपने दायित्व का निर्वहन निष्ठा एवं ईमानदारी से करें, जिससे कि जनपद एवं प्रदेश प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकें।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कहा कि जनपद में चलाए जा रहे सफाई अभियान में सभी और तेजी लाते जिससे कि जनपद साफ स्वच्छ जनपद बनाया जा सके। उन्होंने जनपद वासियों से भी चलाए जा रहे सफाई अभियान में सभी से सहयोग की अपील की गई है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी पी आर चौहान ने कहा कि राज्य एवं जनपद को खुशहाल बनाने के लिए सभी को अपने दायित्व का निर्वहन ईमानदारी से करना चाहिए जिससे कि जनपद विकास के पथ पर अग्रसर हो सकें। इस अवसर पर आनन्दमयी सेवा सदन के छात्राओं ने राष्ट्रीय गान एवं देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व दीपेन्द्र सिंह नेगी, वरिष्ठ कोषाधिकारी अजय कुमार, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत, मुख्य वैयक्तिक अधिकारी सुदेश कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

विकसित भारत की ओर बड़ा कदमः वीबीजी रामजी जिला सम्मेलन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

रानीपुर विधानसभा के नवोदय नगर मंडल में विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) – वीबीजी रामजी के जिला सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, संगठन पदाधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही। मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक का संसद में पारित होना विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। इस योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की सुनिश्चितता और आजीविका में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि योजना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ आम जनता तक पहुँचाने के उद्देश्य से ऐसे सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि पात्र लाभार्थी इसका अधिकतम लाभ उठा सकें। महेंद्र भट्ट ने ग्राम प्रधानों, बीडीसी सदस्यों और जिला पंचायत सदस्यों से आह्वान किया कि वे योजना के नियमों और प्रावधानों को भली-भांति समझें, जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। उन्होंने बताया कि योजना में 125 दिन के रोजगार की गारंटी, मजदूरों का साप्ताहिक भुगतान तथा मजदूरी की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे खातों में भेजे जाने का प्रावधान है। इसके अंतर्गत पर्यावरण, कृषि, आपदा प्रबंधन, डेयरी एवं पशुपालन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को भी जोड़ा गया है। उन्होंने विपक्ष पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता को सच बताना हम सबका दायित्व है। जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने कहा कि इस योजना से युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और देश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। ईपीएफओ पंजीकरण से रोजगार की सुरक्षा और आय में वृद्धि सुनिश्चित होगी। उन्होंने प्रधानमंत्री के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र को दोहराते हुए कहा कि 2047 तक विकसित भारत के संकल्प में यह योजना मील का पत्थर साबित होगी। इस अवसर पर हरिद्वार नगर विधायक मदन कौशिक ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार बिना भेदभाव के आमजन के लिए कार्य कर रही है, जबकि विपक्ष जनता को गुमराह कर रहा है। रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड निरंतर प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है और आमजन सरकार के साथ है।

कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहेः हरिद्वार महापौर किरण जैसल, जिला सह प्रभारी दीपक धमीजा, राज्य मंत्री डॉ. जयपाल सिंह चौहान, संदीप गोयल, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष रीता चमोली, प्रदेश सह मीडिया संयोजक विकास तिवारी, जिला महामंत्री हीरा सिंह बिष्ट, संजीव चौधरी, कार्यक्रम संयोजक तरुण नैय्यर, जिला उपाध्यक्ष लव शर्मा, आशु चौधरी, संदीप अग्रवाल, निपेंद्र चौधरी, सीमा चौहान, रिशु चौहान, जसवीर बसेड़ा, तेलूराम प्रधान, प्रीति गुप्ता, एजाज हसन, सोहनवीर पाल, विजय चौहान, धर्मेंद्र चौहान, अरविंद कुशवाहा, मनोज शर्मा, बिंदरपाल, चीनू चौधरी, अंशु कुमार, लोकेश पाल, देवकीनंदन पुरोहित सहित प्रदेश व जिला पदाधिकारी, जिला पंचायत सदस्य, बीडीसी सदस्य एवं ग्राम प्रधान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एक नजर

यूसीसी उत्तराखंड का गौरव, समानता का अधिकार, अल्मोड़ा में भव्य आयोजन

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। उत्तराखंड राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के लागू होने के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद अल्मोड़ा में प्रथम देवभूमि समान नागरिक संहिता दिवस हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन नवीन कलेक्ट्रेट भवन में जिला पंचायत अध्यक्षा हेमा गैडा की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जनसामान्य ने सहभागिता की। जिला पंचायत अध्यक्षा हेमा गैडा ने यूसीसी को उत्तराखंड का गौरव बताते हुए कहा कि यह कानून समाज में समान अधिकार, न्याय एवं समरसता सुनिश्चित करता है। कार्यक्रम के दौरान यूसीसी के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जनहित में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर यूसीसी की विकास यात्रा पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा। मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा ने कहा कि यूसीसी महिलाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक समानता की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र ने जनपद में यूसीसी के क्रियान्वयन हेतु संचालित पहलों की जानकारी दी। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न अधिकारी, जनप्रतिनिधि, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने समान नागरिक संहिता को समाज में समानता और न्याय स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

एचईसी कॉलेज में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर गूंजा 'मेरा भारत-मेरा वोट'

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

एचईसी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, हरिद्वार में मंगलवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जागरूकता एवं सहभागिता से परिपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान के सोशल क्लब द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की थीम 'भारतीय लोकतंत्र के केन्द्र में भारतीय नागरिक' रही, जिसके अंतर्गत 'मेरा भारत-मेरा वोट' विषय पर छात्रों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्रों द्वारा प्रस्तुत की गई प्रभावशाली नुक्कड़ नाटिका रही, जिसमें मतदान के महत्व, जिम्मेदार नागरिकता तथा लोकतंत्र में जनभागीदारी की भूमिका को सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया। इस नुक्कड़ नाटिका में पवन, ज्योति, अर्चिता, सृष्टि, पावनी, श्रुति, कामाक्षी, मनीषा, प्राची एवं कनिष्का सहित अन्य छात्राओं ने सराहनीय अभिनय कर उपस्थित जनसमूह को लोकतांत्रिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया।

इस अवसर पर सभी छात्रों ने लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने, निष्पक्ष मतदान करने तथा एक सजग नागरिक की भूमिका निभाने की शपथ भी ली।

संस्थान की प्राचार्या डॉ. तृप्ति अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं में लोकतांत्रिक जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु ऐसे कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि यह मंच छात्रों को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों को समझने का अवसर प्रदान करता है। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सोशल क्लब के सदस्यों दीपशिखा बोहरा, दीपाली अग्रवाल, रीना, कुमारप्रीत एवं पूरी टीम के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम का समापन लोकतंत्र की मजबूती और जागरूक मतदाता के संकल्प के साथ किया गया।

नगरायुक्त नंदन कुमार के निर्देश पर चला अभियान, अतिक्रमणकारियों का जब्त किया सामान

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

नगर निगम हरिद्वार द्वारा जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और नगर आयुक्त नंदन कुमार के निर्देशानुसार गणतंत्र दिवस पर भी नगर क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस ?अभियान ने अतिक्रमण करने वालों में हड़कंप मचा रहा।

अभियान के अंतर्गत रोड़ीबेलवाला क्षेत्र, सुभाष घाट, मालवीय घाट, नाई घाट, शिव घाट, बिरला घाट, हाथी पुल एवं तिरछा पुल पर किए गए अवैध अतिक्रमणों को हटाया गया। अभियान के दौरान गंदगी फैलाने वालों तथा प्रतिबंधित पॉलीथिन का विक्रय करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। अतिक्रमण हटाने के उपरांत संबंधित सभी क्षेत्रों में व्यापक साफ-सफाई अभियान भी चलाया गया, जिससे घाटों एवं मार्गों को सुव्यवस्थित एवं स्वच्छ बनाया जा सके। नगर निगम की टीम द्वारा अतिक्रमणकर्ताओं को भविष्य में पुनः अतिक्रमण न करने की सख्त हिदायत दी गई। नगर निगम हरिद्वार द्वारा इस प्रकार के अभियान आगे भी निरंतर जारी रखे जाएंगे। अभियान के दौरान कुछ अतिक्रमणकारी टीम को आता देख अपना सामान लेकर रफूचक्कर हो गए। नगरायुक्त नंदन कुमार का कहना है कि शहर में अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि चेतावनी के बावजूद कोई अतिक्रमण करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने शहरवासियों से भी अपील करते हुए कहा कि अपने शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाने में वह सहयोग दें।

यूसीसी पोर्टल पर सबसे अधिक विवाह पंजीकरण करने में जनपद हरिद्वार को मिला प्रदेश में पहला स्थान

मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में यूसीसी लागू करने में पहला राज्य बना उत्तराखंड : विधायक मदन कौशिक

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

ऋषिकुल आयुर्वेदिक महाविद्यालय ऑडिटोरियम में यूसीसी लागू होने के एक साल पूर्ण होने पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विधायक हरिद्वार मदन कौशिक एवं विशिष्ट अतिथि मेयर किरण जैसल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मदन कौशिक ने कहा कि प्रदेश के लिए गौरव के क्षण है कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशन में समान नागरिक संहिता कानून लागू करने में देश का पहला राज्य है,जिसमें सभी नागरिकों के लिए एक सम्मान कानून लागू किया है।जिसने सफलता पूर्व एक वर्ष का समय पूर्ण कर लिया गया है तथा पूरे प्रदेश में यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे है।

उन्होंने कहा 2022 के चुनाव में घोषणा की गई थी कि भाजपा की सरकार दुबारा बनेगी तो समान नागरिक संहिता कानून लागू किया जाएगा,माननीय मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में सरकार बनते ही जनता से जो वादा किया गया था वह मुख्यमंत्री ने अपने वादे को पूरा करते हुए 27 जनवरी 2025 को प्रदेश में यूसीसी कानून लागू किया गया जिसमें सभी के लिए एक सम्मान कानून लागू किया गया। उन्होंने कहा कि जनपद हरिद्वार में यूसीसी पंजीकरण कराने में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशन में सभी अधिकारियों एवं ग्राम प्रधानों ने बेहतर ढंग से कार्य किया है जिसके लिए उन्होंने सभी को बधाई एवं शुभकामनाए दी।उन्होंने यह भी कहा कि जनपद के लिए गर्व की बात है कि यूसीसी पोर्टल पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले 05 अधिकारियों को प्रदेश स्तर पर सम्मानित किया जा रहा है,जिसमें 02 अधिकारी हरिद्वार के शामिल है,जिसमें विकास

खंड बहाराबाद के रावली महदूद में कार्यरत ग्राम पंचायत विकास अधिकारी कुलदीप चौहान एवं सुल्तानपुर नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी प्रियंका शामिल है।

मिलजुल कर करतें रहेंगे कार्य

इस अवसर पर मेयर नगर निगम हरिद्वार किरन जैसल ने कहा कि लोकप्रिय मुख्यमंत्री ने प्रदेश वासियों के लिए समान कानून लागू किया गया है,जिसमें सभी धर्म वर्ग में कोई भेदभाव नहीं है,इसके लिए उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनपद के प्रगति एवं खुशहाली के लिए सभी मिल जुलकर कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भाजपा आशुतोष शर्मा,सहायक अभियोजन अधिकारी डॉ रेखा, अधिवक्ता रमन कुमार सैनी ने भी समान नागरिक संहिता कानून पर अपने विचार व्यक्त किए।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया गया सम्मानित

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में आज के ही दिन जनवरी 2025 में समान नागरिक संहिता कानून लागू किया गया। इस अभियान को सफल बनाने के लिए जिन अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जन प्रतिनिधियों द्वारा उत्कृष्ट कार्य किया गया है उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यूसीसी पोर्टल पर राज्य में सबसे अधिक विवाह पंजीकरण कराने में जनपद हरिद्वार प्रथम स्थान पर रहा है, जिसके लिए उन्होंने सभी आम नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी ने इस अभियान में बढ़चढ़ कर अपनी भागीदारी की गई है। अपील करते हुए कहा कि जिन लोगों ने अभी तक अपना विवाह पंजीकरण नहीं कराया है,वह यूसीसी पोर्टल के माध्यम से एवं अपने नजदीकी सीएससी सेंटर में जाकर अपना विवाह पंजीकरण करा सकते है।

16 ग्राम प्रधानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

विकास खंड रूड़की के ग्राम पंचायत सुल्तानपुर सबतवाली के श्रवण कुमार, विकास खंड खानपुर के ग्राम पंचायत मिर्जापुर शदात रेणु कुमारी, विकास खंड बहादराबाद के ग्राम पंचायत डालूवाला मज़बता के ग्राम प्रधान सेठ राज, विकास खंड भगवानपुर ग्राम पंचायत आल्हावलपुर की प्रवीण, विकास खंड नारसन के गरम पंचायत मुंडिया की ग्राम प्रधान प्रीति, विकास खंड लक्सर के ग्राम पंचायत दरगपुर के गरम प्रधान निक्की देवी को सम्मानित किया गया।

16 ग्राम पंचायत विकास अधिकारी सम्मानित किये गए

विकास खंड रूड़की ग्राम पंचायत सुल्तानपुर साबतवाली विशाल चौहान, विकासखंड खानपुर ग्राम पंचायत मिर्जापुर सादात के नवीन कुमार,विकास खंड बहादराबाद के ग्राम पंचायत डालूवाला मज़बता कुमारी शोभा ,विकास खंड भगवानपुर ग्राम पंचायत अलावलपुर के अनित चौहान,विकास खंड नारसन मुण्ड्याकी अमरीश कुमार को सम्मानित किया गया।

8 सब रजिस्ट्रार को मिला सम्मान

सब रजिस्ट्रार रुड़की गिरीश सेमवाल, सब रजिस्ट्रार हरिद्वार गौरव सागर,सब रजिस्ट्रार रुड़की श्वेता बेनी,सब रजिस्ट्रार मंगलौर उत्तम सिंह नेगी,सब रजिस्ट्रार ढंडेरा वीरेंद्र रेंजर,सब रजिस्ट्रार झबरेड़ा हर्षवर्धन सिंह रावत,सब रजिस्ट्रार रामपुर रोहित पंवार,सब रजिस्ट्रार सुल्तानपुर आदमपुर प्रियंका ध्यानी को सम्मानित किया गया। यूसीसी के व्यापक प्रचार प्रसार करने वाले महिला समूह को भी सम्मानित किया गया, जिसमें दीपा सहानी एवं प्रीति को सम्मानित किया गया। निबंध प्रतियोगिता,चित्रकला प्रतियोगिता एवं वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को किया गया सम्मानित। जिसमें निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुमारी भावना,द्वितीय कुमारी कामाक्षी एवं तृतीय कुमारी अरमिश। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुमारी एश्वर्या,द्वितीय अर्णव एवं तृतीय कुमारी श्रुति दीक्षित। वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुमारी दीपिका सक्सेना,द्वितीय कुमारी इशिका एवं तृतीय कुमारी क्रीति शामिल है। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुमारी मोमिना ,द्वितीय कुमारी आरुषि रावत एवं तृतीय कुमारी आस्था। पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुमारी आरुषि रावत, द्वितीय कुमारी अंजली रावत एवं तृतीय कुमारी दिया चौहान शामिल है।

अधिकारियों को भी किया गए सम्मानित*

जिसमें जिला पंचायत राज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह,जिला प्रोविजन अधिकारी अविनाश भदौरिया,खंड विकास अधिकारी बदराबाद मानस मित्तल,ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर अभिषेक चौहान, ईओ शिवालिक नगर तारीक खान,ग्राम पंचायत विकास अधिकारी रुड़की सचिन कुमार,लक्सर श्रीमती अमनदीप कौर, बहादराबाद हिमांशु शर्मा, ग्राम विकास अधिकारी विनोद मिश्रा को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।कार्यक्रम का सफल संचालन विनोद मिश्रा द्वारा किया गया।

ये रहे मुख्य रूप से मौजूद

इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिमरनजीत कौर,मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा,जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश,सहायक परियोजना निर्देशक नलिनीत घिल्डियाल,बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जसमेंद्र सिंह, डॉ विशाल गर्ग सहित विभिन्न स्कूलों के छात्र छात्राएं, जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

जनपद अल्मोड़ा में देश का 77वां गणतंत्र दिवस अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर प्रभात फेरी, झंडारोहण, शपथ ग्रहण, सम्मान समारोह, मतदाता जागरूकता, पौधारोपण एवं विकासात्मक पहलों से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गणतंत्र दिवस की शुरुआत प्रातःकाल नंदा देवी मंदिर से हुई, जहां से मुख्य बाजार होते हुए चौघानपाटा तक भव्य प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने सहभागिता की। देशभक्ति गीतों और नारों के बीच निकली प्रभात फेरी ने राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। मुख्य कार्यक्रम कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित किया गया, जहां जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इसके पश्चात उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई तथा सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संविधान में निहित न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के मूल्य लोकतंत्र की आधारशिला हैं। उन्होंने नागरिकों से अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहते हुए लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने उनके योगदान को नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों का बलिदान देश की अमूल्य धरोहर है, जिससे आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा लेनी चाहिए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने संविधान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा एवं जनहित में शासन-प्रशासन निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने समय के साथ स्वयं को अद्यतन रखते हुए जिम्मेदार नागरिक बनने पर बल दिया।

मतदाता जागरूकता के अंतर्गत जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित सभी प्रतिभागियों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई। उन्होंने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए शत-प्रतिशत मतदान आवश्यक है और प्रत्येक नागरिक को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

डीएम स्वाति एस भदौरियास ने किया ध्वजारोहण, उत्कृष्ट कार्मिकों को सम्मानित करते हुए परेड की ली सलामी

पथ प्रवाह, पौड़ी।

कंडोलिया मैदान में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने प्रतिभाग किया। उन्होंने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली और सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने 9:30 बजे कलेक्ट्रेट में, एसएसपी सर्वेश पंवार ने पुलिस लाइन, अपर आयुक्त गढ़वाल मंडल उत्तम सिंह चौहान ने आयुक्त कार्यालय तथा मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत ने विकास भवन में ध्वजारोहण किया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जनपद के विभिन्न तहसील, विकासखंडों तथा समस्त कार्यालयों में भी ध्वजारोहण किया गया।

कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम ने जिलाधिकारी ने वहां उपस्थित अधिकारियों व कार्मिकों को संविधान की शपथ भी दिलायी। उन्होंने कहा कि गणतंत्र के 77वें वर्ष में प्रवेश के साथ आत्ममंथन आवश्यक है कि अब तक क्या उपलब्धियाँ मिलीं और आगे किन लक्ष्यों को प्राप्त करना है। उन्होंने अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों से ईमानदारी, निष्ठा व जिम्मेदारी के साथ समयबद्ध कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने आह्वान किया कि प्रशासन मानव केंद्रित होना चाहिए, ताकि आमजन के कार्य समय पर पूरे हों और जनता को योजनाओं का अधिकाधिक लाभ मिले। कंडोलिया मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जिलाधिकारी को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस के जवानों व विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में एएसपी संचार अनूप काला

ने जिलाधिकारी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया तथा परेड का नेतृत्व किया। जिलाधिकारी ने परेड का निरीक्षण किया तथा झांकियों की सलामी ली। विभिन्न विभागों द्वारा निकाली गयी झांकियों व स्कूली छात्र छात्राओं ने देशभक्ति कार्यक्रमों से रंगारंग प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग की झांकी ने लगातार दूसरी बार प्रथम स्थान, ग्राम्य विकास विभाग ने द्वितीय स्थान तथा वन विभाग की झांकी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम में स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी, जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला, नगर पालिका अध्यक्ष हिमानी नेगी, ब्लॉक प्रमुख अस्मिता नेगी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, डीएफओ गढ़वाल महातिम यादव, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी, पीडी डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, डीएसटीओ राम सलोने, सीओ पुलिस तुषार बोरा, जिला पर्यटन विकास अधिकारी खुशाल सिंह नेगी, जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित डुबरिया, जिला परिवीक्षा अधिकारी अरविंद कुमार, जिला निबंधक सहकारिता सौरभ कुमार, जिला खेल अधिकारी जयबीर रावत, पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष जसपाल नेगी, यशपाल बेनाम, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, स्कूली बच्चे व स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com